RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp.02 May, 2024

अंक – 11 (मासिक) वर्ष – 19 मई, 2024 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अखंण्ड सौभाग्य का महोत्सव
गणगौर

समाजसेवा के आइकॉन
संदेश रांदड़

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2024
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-11 मई 2024 वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
कालूराम हेड़ा, नडीयाद (गुजरात)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

ईर्ष्या है पतन का बीज

इन्द्रप्रस्थ की स्थापना कर युधिष्ठिर ने राजसूय यज्ञ किया जिसमें भीष्म, धृतराष्ट्र, विदुर, दुर्योधन आदि कौरवों सहित द्रोण, कृप, कर्ण व शकुनि भी पहुँचे थे। भोले युधिष्ठिर ने भूल यह की कि इस अवसर पर यज्ञ में आए राजाओं से प्राप्त उपहारों को कोषागार में व्यवस्थित रखवाने का दायित्व कपटी दुर्योधन को सौंप दिया। युधिष्ठिर को प्राप्त अनेक बहुमूल्य उपहारों को देख दुर्योधन ईर्ष्या से जल उठा और यह ईर्ष्या ही सारे कुल के नाश का कारण सिद्ध हुई।

महाभारत के सभापर्व की कथा है कि इन्द्रप्रस्थ का वैभव और यज्ञ में प्राप्त सम्पत्ति को किसी भी तरह पाने की लालसा ने दुर्योधन की नींद उड़ा दी। हस्तिनापुर आकर उसने पिता धृतराष्ट्र को द्यूत रचाकर पांडवों की सम्पत्ति के हरण के लिए उकसाया। शकुनि दुर्योधन के मन में दहकती ईर्ष्या की आग में निरन्तर घी डाल रहा था किंतु धृतराष्ट्र इस कपट के लिए राजी न थे।

धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को समझाया कि 'बेटा! यह पृथ्वी कामधेनु है। इसे वीरपत्नी भी कहते हैं। अपने पराक्रम से पायी हुई भूमि मनोवांछित फल देती है। यदि तुममें बल व पराक्रम हो तो तुम भी इस पृथ्वी का यथेष्ट उपभोग कर सकते हो।' किंतु दुर्योधन कर्म से नहीं कपट से धन पाने पर उतारू था। अंततः पुत्र मोह में धृतराष्ट्र ने द्यूतसभा की आज्ञा दे दी। शकुनि के छल से युधिष्ठिर जूए में सर्वस्व हार गए। द्रौपदी का चीरहरण हुआ और पांडवों को वनवास मिला। अज्ञातवास के बाद भी जब परधन लोभी दुर्योधन पांडवों को उनका इन्द्रप्रस्थ देने को राजी न हुआ तो कुरुक्षेत्र की रणभूमि सजी और सारे कौरव मारे गए। धन तो मिला नहीं, जीवन का भी अंत हो गया।

दूसरों का वैभव जब चित्त में ईर्ष्या जगाता है तो उस पराये धन को पाने की कामना बलवती होती है। कामना पूरी न हो तो क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से बुद्धि का नाश हो जाता है। बुद्धि का नाश ही मनुष्य के पतन का कारण बनता है। दुर्योधन की ईर्ष्या इसी पतन तक की यात्रा है।

तभी तो महाभारत कहता है, 'अनार्याचरितं तात परस्वस्पृहणं भृशम्। स्वसंतुष्टः स्वधर्मस्थो यः स वै सुखमेधते।।' अर्थात् दूसरे के धन की इच्छा रखना नीच लोगों का काम है। जो अपने धन से संतुष्ट और अपने धर्म में स्थित है, वही सुख से उन्नति करता है।

साधो! स्मरण रखिए, 'अव्यापारः परार्थेषु नित्योद्योग : स्वकर्मसु। रक्षणं समुपात्तानामेतद् वैभवलक्षणम्।।' अर्थात् पराया धन हड़पने की कोशिश न करना, अपने कर्तव्य के लिए प्रयत्नशील रहना और जो कुछ प्राप्त है उसकी रक्षा करना, यही उत्तम वैभव का लक्षण है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

मतदान हमारा कर्त्तव्य

हजारों वर्षों की गुलामी के बाद हमारे देश को आजादी प्राप्त हुई थी। देश की इस स्वतंत्रता प्राप्ति में हमारे समाज का जो योगदान है, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित है। बस उनके अन्दर जज्बा था, कि हमारी आने वाली पीढ़ी गुलामियों की बंदिशों से आजाद होकर स्वतंत्र भारत में अपनी सांस लें। उन्हें उन्नति के लिये खुला आकाश मिले और वे कह सकें कि यह हमारा देश है। बस इस सोच के खातिर हमारे पूर्वजों ने न सिर्फ अकूत सम्पत्ति बल्कि अपने जीवन का भी बलिदान कर दिया। इन सभी कुर्बानियों के बाद देश के क्षितिज पर स्वतंत्रता का सूरज जगमगाया। इस स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमें निर्णय करना था कि हमारी शासन व्यवस्था कैसी हो तो हमने चुना ''जनता का, जनता के लिये व जनता द्वारा शासन'' अर्थात् प्रजातंत्र, जिसमें शासन की सम्पूर्ण शक्तियां जनता के हाथों में निहित हैं। हम किसी भी योग्य जनप्रतिनिधि का निर्वाचन कर सकते हैं। इस प्रजातांत्रिक व्यवस्था में यदि हम उसके कार्य से संतुष्ट नहीं तो अपना मत उसे न देकर अगले चुनाव में सत्ता परिवर्तन भी कर सकते हैं। इस व्यवस्था में सत्ता परिवर्तन के लिये रक्त रंजित क्रांति की जरूरत नहीं, सिर्फ वैचारिक क्रांति और वोट का शस्त्र ही काफी है।

प्रजातांत्रिक व्यवस्था में मतदान एक महायज्ञ की तरह पावन धर्म है। जिसके द्वारा हम योग्य जनप्रतिनिधि का चयन कर अपनी आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवारते हैं। अतः मतदान संवैधानिक रूप से हमें मिला अधिकार ही नहीं बल्कि हमारा हमारे देश, समाज व परिवार के प्रति कर्त्तव्य भी है। इन सबके बावजूद अत्यंत चिंतनीय पहलू सामने आ रहा है कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव के अभी तक हुए मतदान में प्रतिशत के आधार पर मतदान घटा है। इसके पीछे तर्क गर्मी जैसे बहाने दिये जा रहे हैं। अत्यंत दुःखद सोच है, यह। जब हमारे पूर्वज देश के लिये, अपने परिवार के लिये अपने प्राणों की आहुति दे सकते हैं, तो क्या हम थोड़ी सी गर्मी सहन नहीं कर सकते? कुछ लोगों का तर्क होता है, मेरे एक वोट से क्या होगा? याद रखें बूंद-बूंद ही घड़ा भरती है और बूंद-बूंद से ही घड़ा खाली भी होता है। यदि ऐसी ही सोच सभी बना लें, तो मतदान करेगा कौन?

याद रखें योग्य जनप्रतिनिधि चुनना आपका कर्त्तव्य है। यदि आपकी इस अकर्मण्यता से गलत चयन होता है, तो उनके उत्तरदायी हमेशा आप स्वयं होंगे। अतः कुछ भी हो जाऐ मतदान अवश्य करें और अपने अधिकार तथा कर्त्तव्य के साथ करें। कोई रोके तो भी न रूकें। वर्तमान दौर में हर कोई राजनीति को काजल की कोठरी मानकर इससे दूरी बनाकर रखना चाहता है। एक सभ्य व्यक्ति यह कहकर इससे पल्ला झाड़ने की कोशिश करता है कि यह सभ्य लोगों का क्षेत्र नहीं है। वास्तव में इसके लिये जिम्मेदार भी हम ही हैं। जब तक अच्छे लोग राजनीति में कदम नहीं रखेंगे, यह क्षेत्र सुधरेगा कैसे? माहेश्वरी समाज एक आदर्श समाज है, ऐसे में हमारी यह जिम्मेदारी भी है कि राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाकर इस क्षेत्र को भी आदर्श बनाने में अपना योगदान दें। यह न सिर्फ राजनीति बल्कि समाज हित में भी जरूरी है।

इस अंक में हम समाज सेवा के क्षेत्र के प्रेरक युवा व्यक्तित्व अकोला निवासी संदेश रांदड़ सहित कई स्थायी स्तंभ व पठनीय सामग्री लेकर आये हैं। हमें आशा ही नहीं विश्वास है कि हमेशा की तरह यह अंक भी आपको अवश्य ही पसंद आयेगा।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

नडीयाद निवासी 67 वर्षीय कालूराम हेड़ा की व्यावसायिक क्षेत्र में जितनी छवि एक सफल व्यवसायी के रूप में है, समाजसेवी के रूप में भी उससे कम नहीं है। अ.भा. हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन के गठन में भी श्री हेड़ा की अहम भूमिका है। इसके लिए उन्हें ''हेड़ा रत्न'' सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। श्री हेड़ा का जन्म नडियाद (गुजरात) में 7 सितम्बर 1956 को श्री रामदयाल व श्रीमती राजबाई हेड़ा के यहाँ हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा पैतृक ग्राम धमाना से प्राप्त कर उच्च शिक्षा कपासन से पूर्ण करने के बाद भी नौकरी की ओर कदम न रखते हुई पैतृक व्यवसाय को ऊँचाई देने का ही निर्णय ले लिया। इसके अंतर्गत वे 1974 से पिताजी के बर्तन व्यवसाय में योगदान देने लगे। फिर वर्ष 1982 में भागीदारी में 'नॉन फेरस मेटल स्क्रेप' का व्यवसाय ''सत्यनारायण एण्ड कालूराम'' नामक फर्म के रूप में प्रारम्भ किया। वर्तमान में शिवम् मेटाएलोज, शिवम कॉपर कास्ट एलएलपी तथा एच.के.एल. इंडस्ट्रीज एलएलपी (अहमदाबाद) का संचालन उनका परिवार कर रहा है। श्री हेड़ा समाजहित के किसी भी प्रकल्प में तन-मन-धन से सहयोग में पीछे नहीं रहे। नडियाद माहेश्वरी समाज सेवा केंद्र की स्थापना व भवन निर्माण में आपकी अहम भूमिका रही। इसी प्रकार पैतृक ग्राम धमाना में श्री माहेश्वरी समाज भवन निर्माण में भी तन-मन-धन से सहयोग दिया। नडियाद पीपल्स कोऑपरेटिव बैंक में वर्ष 1985 से 2005 तक साख कमेटी सदस्य रहे। माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में भी कार्यकारिणी सदस्य, गुजरात प्रांतीय महासभा में सह संगठन मंत्री तथा माहेश्वरी सेवा समाज केंद्र नडियाद के अध्यक्ष रहे हैं। इसके साथ खेड़ा जिला माहेश्वरी सभा के भी 6 वर्ष तक अध्यक्ष रहे।

गर्मी में निरीह पशु-पक्षिओं का भी रखें ध्यान

मानव को सभी जीव-जन्तुओं में उत्कृष्ट कहा गया है। इसका कारण उसकी उत्कृष्ट बौद्धिक क्षमता ही नहीं है, बल्कि उसका कारण उसकी मानवीय संवेदना भी है। इसी मानवीय संवेदना का परिणाम हमारी पारिवारिक व सामाजिक व्यवस्था हैं, जिसमें हम हमेशा अपनों की मदद के लिये तैयार रहते हैं। परिवार का लालन-पालन, माता-पिता की सेवा अन्य मानव के प्रति ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों के प्रति भी संवेदना ये विशेषताऐं ही तो हमें पशु-पक्षियों से भिन्न बनाती हैं। अन्यथा देखा जाऐ तो अपना उदर पोषण तथा संतान उत्पत्ति तो पशु-पक्षी भी करते हैं। आज यदि मानव सृष्टी का सबसे उत्कृष्ट जीव है तो इसके पीछे बुद्धि और इन संवेदनाओं का समान रूप से योगदान है।

मानव के रूप में ही नहीं बल्कि माहेश्वरी समाज में जन्म लेकर हम और भी गौरवान्वित हुए हैं। कारण है समाज की अप्रतीम सेवा भावना जिसका सम्पूर्ण विश्व कायल है। माहेश्वरी समाज वास्तव में लक्ष्मी पुत्रों का समाज है, जिसने अपनी मेहनत व बौद्धिक क्षमता से, वह जहाँ भी गया अपनी सफलता का परचम लहराया है। इन सबके बावजूद उसके सम्मानीय होने का सबसे बड़ा कारण यह है कि माहेश्वरी समाज ने अपनी सफलता को अपने आप तक कभी भी सीमित नहीं रखा। हमने हमेशा ही मानव ही नहीं बल्कि पशु-पक्षिओं की सेवा को भी अपना धर्म समझा और इसमें अपना तन-मन-धन से भरपूर योगदान सदैव दिया। माहेश्वरी समाज के इन योगदानों का भी न सिर्फ हमारा देश बल्कि सम्पूर्ण विश्व साक्षी है।

वर्तमान दौर में देश का अधिकांश क्षेत्र भीषण गर्मी की चपटे में है। ऐसे में पशु-पक्षियों के लिए खाना पानी की कमी जानलेवा संकट बन गयी है। अतः मैं सभी से अनुरोध करता हूँ कि अपने कर्त्तव्य को समझकर अपनी छत पर पक्षियों के लिये दाना व पानी की व्यवस्था अवश्य करें। इसी तरह निरीह पशुओं के लिये भी किसी उचित स्थान पर आहार व पानी की व्यवस्था की जा सकती है। याद रखें यह छोटा सा लेकिन इतना बड़ा महादान है, जो इन निरीह पशु-पक्षियों को नवजीवन दे सकता है। हम भी इनके द्वारा अपने आपके मानव होने का परिचय दे सकते हैं।

आईये अब बात करते हैं, समाज व समाज संगठन की। वर्तमान दौर में समाज की युवा पीढ़ी का समाज की मुख्य धारा से दूर होना एक गंभीर समस्या बन गई है। इसी का नतीजा अन्तर्जातीय विवाह के रूप में दिखाई देता है। इससे न सिर्फ समाज की जनसंख्या ही तेजी से घट रही है बल्कि समाज के संस्कारों का क्षरण भी हो रहा है। अतः इस मुद्दे को समाज संगठन को गंभीरता से लेना होगा। इसके लिये ऐसे मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन अनिवार्य हो गया है, जिसमें हम खेल-खेल में बच्चों को संस्कारों का पाठ पढ़ा सकें और साथ ही उन्हें समाज का महत्व भी समझा सकें। जब तक सम्पूर्ण युवा वर्ग समरस नहीं होगा, युवा वर्ग का समाज से जुड़ाव अधिक नहीं बढ़ेगा। इसके लिये समाज की जिम्मेदारी भी युवा वर्ग के हाथों में सौंपने का प्रयास आवश्यक है, जिससे उनमें जिम्मेदारी के भाव उत्पन्न हों और यही भाव समाज के प्रति अपनत्व को उत्पन्न करेंगे।

कालूराम हेड़ा, नडीयाद
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री मातल माताजी

श्री मातल माताजी माहेश्वरी समाज की नगवाडिया एवं ईनानी खांप की कुलदेवी हैं।

श्री मातल माताजी का मंदिर राजस्थान के खींवसर जिला नागौर में बस स्टैण्ड के समीप खींवसर किले के पास स्थित है। इस मंदिर में परवाल परिवार की मात्री माताजी भी विराजमान हैं। श्री माताजी का पूजन कुंकु, चांवल, श्रीफल, अगरबत्ती, दीपक जलाकर होता है तथा मान-मन्नत पूर्ण होने पर साडी (सभी शृंगार प्रसाधन) चढ़ाकर पूजन होता है।

कहाँ ठहरें- यहाँ ठहरने के लिये माहेश्वरी समाज का सुविधायुक्त भवन है। जहाँ पर सर्वसुविधायुक्त 6 रूम एवं 3 हॉल है। यहाँ उच्च स्तरीय ठहरने के लिये श्री स्टार होटल भी है जो मंदिर के पास किले में ही स्थित है।

कैसे पहुँचें- खींवसर नागौर तथा जोधपुर से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। यह नागौर से 43 कि.मी. व जोधपुर से 94 कि.मी. दूर है। बस, टैक्सी आदि से सड़क मार्ग से यहाँ पहुँचा जा सकता है।

माहेश्वरी समाज का परम्परागत पर्व गणगौर देश-विदेश में बसे समस्त माहेश्वरी परिवारों ने उत्साह के साथ मनाया। इसमें महिलाओं ने कई मनोरंजक कार्यक्रमों को समाहित कर इसे रोचक रूप भी दे दिया।

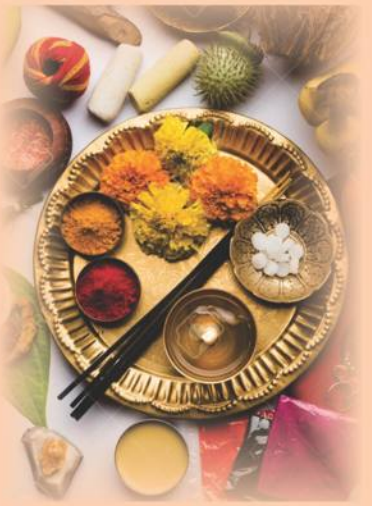

गणगौर

अखंड सौभाग्य की कामना का उत्सव

भोपाल। जिले के मध्याचंल माहेश्वरी महिला संगठन भोपाल मे (गौरिशा 2024) गणगौर कार्यक्रम में अनिता जावंधिया राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मध्याचंल मुख्य अतिथि थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती, शोभा लाहोटी राष्ट्रीय कार्यसमिति, प्रदेश सचिव राजश्री राठी, मध्याचंल सहप्रभारी मनीषा लड्ढा इस कार्यक्रम में उपस्थित थीं। महेश वंदना, दीप प्रज्जवलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। गीत प्रस्तुति प्रियंका राठी द्वारा स्वरचित दी गई। मध्याचंल के सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'कौन बनेगा हजार पति' इसमें चार राउंड में खेलाया गया। अंत में कार्यक्रम का समापन सहभोज से हुआ। कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण किया गया।

फरीदाबाद। स्थानीय माहेश्वरी मंडल के तत्वावधान में गणगौर सिंजारा उत्सव एवं शोभायात्रा का आयोजन धूमधाम से हुआ। रजवाड़ा फार्म भूपानी में 300 बहनों की उपस्थिति के साथ ढोल की थाप पर थिरकते हुए गणगौर का स्वागत किया गया। नृत्य, गीत, तंबोला, रैन डांस, पूल मस्ती, SPICY FOOD के साथ सभी ने खूब मस्ती की और यह एक अविस्मरणीय पिकनिक सिंजारा बन गया। कार्यक्रम के पश्चात भोजन प्रसादी की व्यवस्था रही। समाज के लगभग 350 समाजजनों की उपस्थिति रही।

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति, गोपाल मंदिर द्वारा वृंदावन हॉल में गणगौर के सिंजारा का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस उत्सव में फिल्म निदेशक किरन राय (सविता केला) और निर्माता गौरी शिंदे (नीना राठी), ने आपस में गणगौर के बारे में बातचीत कर फिल्म निर्माण पर विचार कर गणगौर के गीत व बॉलिवॉड थीम पर कार्यक्रम का निर्माण किया। इस कार्यक्रम में रश्मि मालानी, रानी सोनी, पायल काबरा, स्नेहा लाखोटिया, रोशनी नत्थानी आदि ने गणगौर पर आधारित गानो पर नृत्य किया। कुशालिका नत्थानी, ध्रुव माहेश्वरी ने ईसर गणगौर बनकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। फिल्म की नायिका नेहा कोठारी थी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी, राष्ट्रीय सहप्रभारी प्रतिभा नत्थानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदा भट्टर सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्याऐं उपस्थित थीं।

इंदौर। गणगौर पर्व पर श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उमा महेश का बाना निकाला गया। भगवान उमा महेश एवं सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार दिलीप तापड़िया परिवार एवं संगीता बियानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयोजक सीमा बेड़िया, संगीता बियानी, अनीता मंत्री द्वारा तंबोला लकी ड्रा, बेस्ट गणगौर व दोहा प्रतियोगिताएं करवाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता साधना कचोलिया ने की व आभार सचिव पिंकी काकाणी द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रुपेश भूतड़ा, दिलीप तापड़िया, नीलम काबरा, माधुरी सोमानी, आशा साबू, रमा साबू, दीप्ति भूतड़ा, अन्नपूर्णा मूंदड़ा, प्रज्ञा सोमानी, वंदना मुंदड़ा, मोनिका लड्ढा आदि उपस्थित थीं।

नागपुर। गणगौर पर्व पूर्ण श्रद्धा व उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ज्योति महिला मंडल, महल नागपुर द्वारा एक अनूठी पहल के तहत शहर में पहली बार भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू हुआ गणगौर पूजन पर्व शुक्ल पक्ष की तीज के दिन संपन्न हुआ। अंतिम दिन गणगौर की बड़ी प्रतिमा को सजाकर परिक्रमा के बाद शाम के समय विसर्जन किया गया। अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सभी का स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर बिंझानी परिवार, मोकाती परिवार, महेश राठी, मित्तल राठी, नैना लालचंद राठी, कीर्ति भैय्या परिवार, जगदीश बजाज परिवार, श्री जी मूंधड़ा परिवार, एवं राजबाला कमलेश राठी परिवार द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन की अध्यक्ष सुषमा बंग, नागपुर जिला सचिव मीनू भट्टड़, किरण मूंधड़ा, नीता सारडा, ज्योति मंत्री, निशी सावल, पूनम झंवर, शांता भूतड़ा, मधुसूदन बिंझानी आदि की उपस्थिति रही। सचिव स्वाति सावल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जोधपुर। गणगोरी तीज पर जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला मंडल पश्चिम क्षेत्र की ओर से 18 वें भव्य सामूहिक उद्यापन का कार्यक्रम माहेश्वरी जनोपयोगी भवन रातानाडा में आयोजित किया गया। मंडल अध्यक्ष अलका जौहरी ने बताया कि 45 तिजणियो ने सामूहिक उद्यापन किया। सामूहिक पूजन कर गणगौर गीत गाए और नृत्य किया। सचिव विजयलक्ष्मी भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम अतिथि आनंद भूतड़ा, सुनीता जैसलमेरिया, फूलकौर मुंदड़ा, आशा फोफलिया, रक्षाराज भूतड़ा, छवि भूतड़ा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। पूजन के बाद स्वरुचि भोज हुआ। कार्यक्रम की व्यवस्था में मंडल उपाध्यक्ष अंजू बूब, कोषाध्यक्ष निशा पुंगलिया, सहसचिव कुमुद भूतड़ा, प्रभा माहेश्वरी, आरती चांडक, भारती राठी, सुमन डागा, योगिता मालपानी आदि ने सहयोग दिया। मंच संचालन सुनीता हैडा ने किया।

सूरत। अड़ाजन माहेश्वरी महिला मंडल की सदस्याओं ने गणगौर पर्व पर पूजन कर मां पार्वती से अखण्ड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। महिला मंडल संयोजिका रेखा रामसहाय सोनी ने बताया कि इस अवसर पर सदस्याओं के सहयोग से ग्रीन रेजीडेंसी गंगेश्वर महादेव मंदिर रोड़ पर ईसर गणगौर की भव्य सवारी भी निकाली गई।

उज्जैन। श्री माहेश्वरी समाज महिला मंडल व श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर छोटा सराफा द्वारा गणगौर उत्सव मंदिर प्रांगण पर धूमधाम से मनाया गया एवं चल समारोह न निकालते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में सहयोग दिया गया। इस अवसर पर कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा गणगौर के सुंदर गीत गाये, साथ ही मनभावन नृत्य भी किये गये। गण-गौरा को झाला वारणा देकर दोहे सुना कर रिझाने का प्रयास किया गया। सास बहू की हास्य-व्यंग्यपूर्ण नोंक-झोंक नाटिका प्रस्तुत की गई। फूलपाती परंपरा निभाते हुए इसर पार्वती का अभिनय नन्ही बालिकाओं द्वारा किया गया। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर उत्सव का आनंद उठाया, गणगौर क्वीन पलक राठी चांडक बनी। महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा लड्ढा, सचिव उषा भट्टड, प्रगति मंडल की सचिव उमा खडलोया तथा आयोजन की संयोजिका विनीता बियाणी एवं श्वेता बजाज द्वारा इस अवसर पर महिलाओं के लिए स्वल्पाहार एवं ठंडाई की व्यवस्था की गई थी। मंडल की प्रचार मंत्री सुधा बागड़ी ने बताया कि गणगौर उत्सव पर विभिन्न खेल के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। कृष्णा जाजू द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर रीता लखोटिया, प्रेमा राठी, तारा कोठारी, पुष्पा कोठारी, नर्मदा सारडा, शीला राठी, आशा भट्टड, अर्चना केला, एकता झंवर, समता लखोटिया, नेहा झंवर, अपर्णा भूतड़ा, स्मिता अटल इत्यादि अनेक महिलाओं की उपस्थिति रही।

पुणे। श्री माहेश्वरी बालाजी महिला मंडल, कसबा पेठ की ओर से उत्साह के साथ गणगौर तीज मनाई गई। गणगौर का हर जगह पर स्वागत हुआ। सांई पतसंस्था की ओर से अल्पाहार तथा शीतल पेय दिया गया। गिर गौर के दिन 19 उद्यापन तथा सुरज रोटा का 2 उद्यापन हुआ। गोर की पुजा होने पर सभी ने महाप्रसाद का लाभ लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में भू. पू. अध्यक्षा शोभा भट्टड, अध्यक्ष शांता जाजू, सचिव ललिता राठी, कोषाध्यक्ष नंदा भट्टड, शकुंतला सोनी तथा मंगल नावंदर आदि का विशेष सहयोग मिला। उक्त जानकारी कोषाध्यक्ष नंदा भट्टड ने दी।

शाजापुर । स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गणगौर महोत्सव पर गत 11 अप्रैल 2024 को दोपहर में 5 बजे से 7 बजे तक शोभायात्रा निकाली गई। इसका खजांची मंदिर किला रोड से शुभारम्भ होकर नई सड़क शरद नगर में आराधना माहेश्वरी के घर पर समापन हुआ। मिथिलेश माहेश्वरी अध्यक्ष श्री माहेश्वरी महिला संगठन ने उक्त जानकारी दी।

नोएडा। माहेश्वरी समाज और अग्रवाल समाज की महिलाओं ने 16 दिन तक गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया। 16 दिनों में पूजा के साथ-साथ गणगौर के बनोरे निकले। वहीं दूसरी ओर नोएडा सखी मंडल ने थीम बेस्ड गणगौर पार्टी रखी जिसमें सभी लोग अपनी गणगौर को अलग-अलग थीम में सजा कर लाये। इसमें सरिता शारदा अपनी गणगौर को Uh lala!! Gangaur in Paris थीम में लेकर गई थी। कुछ सखियां राजस्थानी, मद्रासी भारत माता, गणगौर चली शॉपिंग जैसी क्रिएटिव थीम में लेकर आई थीं। सभी गणगौर बनोरों में नृत्य, नाटक, मंगल और बधाई गीत जैसे कई मनोरंजक कार्यक्रम भी हुए। 11 अप्रैल को सभी सदस्याओं ने अपने घर या ग्रुप में या मंदिर में जाकर गणगौर की पूजा की।

नागपुर। माहेश्वरी महिला संगठन सीताबर्डी नागपुर द्वारा हर साल की तरह इस साल भी गणगौर एक्सप्रेस पार्ट -2 के रूप में शिव पार्वती के संग अयोध्या धाम दर्शन का आयोजन 4 अप्रैल 4:00 बजे से माहेश्वरी भवन में किया गया है। प्रमुख अतिथि के रूप में कांचन ताई गडकरी तथा विशेष अतिथि के रूप में डॉ. अर्चना कोठारी की गरिमामय उपस्थित थी। कुल 300 से अधिक सखियों की गणगौर सिंजारे के इस कार्यक्रम में उपस्थिति रही। अध्यक्ष निशि सांवल ने स्वागत भाषण दिया। लकी ड्रॉ, एक्सप्रेस हाउजी और स्वादिष्ट आहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष शिवदास राठी, महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष लता जेठा, उर्मिला चांडक, राजबाला राठी तथा नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष प्रगती माहेश्वरी भी उपस्थित थे।

महू। श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन स्थानीय गोपाल मंदिर में किया गया। इसके अंतर्गत गणगौर का बाना निकाला गया। बाने में दूल्हा दुल्हन किरण मारवाड़ी और कृष्णा बाहेती को बनाया गया। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष कांता सोडाणी एवं सचिव रजनी सोडाणी ने बताया कि उत्सव के दौरान गोपाल मंदिर धर्मशाला में गणगौर के दोहे एवं तंबोला प्रश्न मंच आयोजित किए गए। संगीता सोडाणी ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रजलता तोषनीवाल, शकुंतला ढोली, सुषमा जाजू, मंजू मूंदड़ा, कांता मारवाड़ी आदि महिलाएं उपस्थित थी।

जिंदगी में आने वाले सारे तूफान राह नहीं भटकाते हैं, कई बार कुछ तूफान हमें अपने सही मुकाम तक भी ले जाते हैं।

मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण

रतनगढ़। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट द्वारा सन् 2024 में पूरे वर्ष निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर के क्रम में इस वर्ष के तीसरे केम्प का आयोजन माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 114 मरीजों की मोतियाबिंद जांचकर 49 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके के किया जाएगा। भामाशाह रणजीत दुग्गड़, रजनीकांत सोनी, चन्दा सोनी, सरिता चाण्डक, जयश्री जाजू, मंजू पेड़ीवाल व दीनदयाल खेतान ने दीप प्रज्जवलन कर शिविर का शुभारंभ किया। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राकेश जाजू ने अतिथियों का अभिनंदन किया। शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम, माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, महेश जाजू, योगेश लड्ढा आदि ने अपनी सेवाएं दीं।

''जीनियस जेन नेक्स्ट'' का आयोजन

सूरत। जिला माहेश्वरी सभा एवं श्री माहेश्वरी सेवा सदन के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम ''जीनियस जेन नेक्स्ट'' माहेश्वरी सेवा सदन, परवत पाटिया, सूरत में आयोजित किया गया। इसमें 300 से अधिक अभिभावक सम्मिलित हुये। कार्यक्रम के पश्चात् 98 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ। अतिथि स्वागत सूरत जिला सभा अध्यक्ष पवन बजाज एवं माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष राधेश्याम राठी द्वारा किया गया। जिला सभा के कार्यो की जानकारी सचिव अतिन बाहेती द्वारा दी गई। आभार मुरलीधर लाहोटी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश तोषनीवाल द्वारा किया गया। जिला सभा की पूरी टीम व समाज के गणमान्य बन्धु कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

कोवई सिटी आयकॉन पुरस्कार

कोयंबटूर। गोपाल माहेश्वरी एवं उनके पुत्र अनुराग माहेश्वरी द्वारा संचालित फर्म मै. माहेश्वरी मार्बल को मार्बल, ग्रेनाइट एवं टाइल्स की श्रेणी में उद्यम उत्कृष्टता के लिए 'कोवई सिटी आयकॉन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार वर्ष 2023-24 की श्रृंखला- कोवई सिटी आयकॉन के तहत रेडियो सिटी-जागरण प्रकाशन द्वारा व्यापार एवं उद्यम की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु प्रदान किये जाते हैं। माहेश्वरी मार्बल कोयंबटूर में वर्ष 1978 से कार्यशील हैं तथा मार्बल एवं ग्रेनाइट के श्रेत्र में देश भर में सर्वोपरि सप्लायर एवं डीलर है। पुरस्कार माहेश्वरी मार्बल के निदेशक अनुराग माहेश्वरी ने प्राप्त किया।

कविता की सुरलहरी के साथ रंगोत्सव

रायगढ़। माहेश्वरी वर्धा का रंगोत्सव कविताओं की सुरलहरी के साथ आयोजित हुआ। मोहोपाड़ा (रायगढ़) से आई श्रृंगार रस की कवयित्री नीलम सोमानी द्वारा काव्य प्रस्तुति से आरंभ हुआ। काव्य सम्मेलन का समापन भाईंदर से पधारे विनोद सोनी द्वारा दी गई प्रस्तुति से हुआ। इसमें मंच संचालक संतोष काबरा नागपुर, वीर रस के युवा कवि अनिकेत तापड़िया वायगांव एवं अनेकों काव्य सम्मेलनों के संयोजक तथा हास्य व्यंग्य प्रस्तोता सतीश लाखोटिया नागपुर भी शामिल थे। मंच संचालन संतोष काबरा एवं नीलम सोमानी ने किया। इसके पूर्व सभी कवि अतिथियों का स्वागत माहेश्वरी मंडल वर्धा के अध्यक्ष सोहन राठी सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने किया। कवि सम्मेलन के संयोजक राजकुमार जाजू थे। आभार सचिव हेमंत भूतडा ने व्यक्त किया।

कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

सूरत। जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हास्य-व्यंग्य, वीर रस व गीत-गजल से भरपूर रंगरसिया विराट हास्य कवि सम्मलेन गत 7 अप्रैल रात्रि 8 बजे संजीवकुमार ऑडिटोरियम, पाल सूरत में रखा गया। मंच संचालन शशिकांत यादव द्वारा किया गया। कवयित्री डॉ. अनामिका जैन अम्बर, सुधीर भोला, मनोज गुर्जर, हिमांशु बवंडर आदि ने अपनी प्रस्तुति दी।

हंसता हुआ चेहरा प्रकल्प

बूंदी। अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस के अवसर पर 'हंसता हुआ चेहरा' प्रकल्प के तहत सामर्थ्य सोसायटी द्वारा शहर के बाणगंगा एवं भील बस्ती में रहने वाले गरीब बच्चों को स्वावलंबी बनकर जीवन में खुश रहने के मंत्र दिए। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने योग, प्राणायाम, स्वाध्याय एवं आध्यात्म के माध्यम से स्वयं का शारीरिक व मानसिक विकास करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चो को खेलकूद एवं पाठ्य सामग्री का वितरण कर उन्हें खुश रहने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, अनीशा जैन, शालिनी सोनी, हेमा सोनी, वर्तिका हाडा आदि उपस्थित रहे।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

महू। श्री माहेश्वरी महिला मंडल महू की वर्ष 2024-25 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी शकुंतला चिचानी और पूर्व अध्यक्ष स्वाति शारदा थीं। इसमें अध्यक्ष कांता सोडानी, सचिव रजनी सोडानी, उपाध्यक्ष रमीला मालानी एवं ब्रजलता तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष किरण मारवाड़ी, सह सचिव किरण माहेश्वरी, प्रचार मंत्री संगीता सोडानी, संगठन मंत्री पदमा सोडानी, संयुक्त मंत्री शकुंतला ढोली, संरक्षक स्वाति शारदा, उत्सव समिति से शारदा भरानी, सर्व समिति से प्रेमलता नवल व कृष्णा लोया निर्वाचित हुईं।

सामाजिक सुरक्षा योजना में सहायता

सूरत। गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा के अन्तर्गत गुजरात माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना में 51 वर्षीय सूरत के परवत पाटिया क्षेत्र के निवासी सदस्य का विगत 26 मार्च को देहावसान हो गया था। योजना नियमानुसार दिवंगत सदस्य के परिवार को पांच लाख रुपए की 'सुरक्षा राशि' का चेक प्रदान किया गया। परिवार को सुरक्षा राशि निधन के चार दिन पश्चात ही उपलब्ध करा दी गई। उल्लेखनीय है कि दिवंगत बंधु सामाजिक सुरक्षा योजना के प्रारम्भिक सदस्यों में से थे और प्रतिवर्ष नियमित रूप से वार्षिक अंशदान का भुगतान करते रहे है। प्रदेश का यह ट्रस्ट गत 10 वर्षों से गुजरात में निवास करने वाले बंधुओं के लिये इस योजना का संचालन कर रहा है एवं अब तक लगभग 50 लाख की सुरक्षा राशि का भुगतान कर दिया गया है। यह सूचना ट्रस्ट के अध्यक्ष मदन मोहन पेडीवाल, सूरत एवं सचिव सुरेश काबरा, सूरत ने दी।

युवा संगठन के चुनाव संपन्न

भीलवाड़ा। दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के निर्देशानुसार नगर माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव बुधवार को शहर के हरणी महादेव रोड स्थित रामेश्वरम मे निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अर्चित मूंदड़ा व नगर मंत्री अंकित लाखोटिया को मनोनित किया गया। नगर चुनाव अधिकारी राजेन्द्र बिडला ने बताया कि जिला माहेश्वरी युवा संगठन भीलवाड़ा के मुख्य चुनाव अधिकारी रतनलाल मण्डोवरा के नेतृत्व में चुनाव अधिकारी रामकिशन सोनी व ओमप्रकाश सोमाणी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासभा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजकुमार काल्या, राष्ट्रीय महामंत्री युवा संगठन प्रदीप लढ़ा चित्तोडगढ़, युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राघव कोठारी का सान्निध्य प्राप्त हुआ।

श्रीनगर माहेश्वरी सभा की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा द्वारा आगामी महेश नवमीं पर्व को हर्षोउल्लास से मनाने के लिए नगर अध्यक्ष केदार गगरानी के नेतृत्व में बैठक महेश छात्रावास में आयोजित की गई। इसमें मुख्य प्रभारी एवं समितियों का गठन किया गया। मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि बैठक का शुभारम्भ प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य जगदीश कोगटा, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री ममता मोदानी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती आदि ने भगवान महेश के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। महेश नवमी महोत्सव समिति में मुख्य संयोजक राधेश्याम सोमाणी (मरूधरा), सह संयोजक सुरेश बिड़ला व केजी राठी को बनाया गया। अन्य कई समितियों के प्रभारी भी नियुक्त किए गए।

महिला संगठन हुआ पुरस्कृत

उदयपुर। देश की सशक्त समाजसेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्मेद शिखरजी पारसनाथ झारखंड में 29 और 30 मार्च को संपन्न हुआ। उदयपुर अध्यक्ष पूनम ने बताया कि इसमें 19 प्रदेशों की करीब 600 से अधिक शाखों की 1200 सदस्याओं ने शिरकत की। इसी के तहत उदयपुर शाखा अध्यक्ष पूनम भदादा को राष्ट्र स्तर पर महिला सशक्तिकरण प्रोजेक्ट उड़नपरी वेबसाइट के संचालन के लिए राष्ट्र मंच पर सम्मानित किया गया। वहीं राजस्थान प्रदेश की उत्कृष्ट शाखा का विशिष्ठ पुरस्कार उदयपुर शाखा को प्रदान किया गया।

सखी संगठन ने आयोजित किया पिकनिक

अहमदाबाद। रघुकुल रीतसिद्धा - पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति के अंतर्गत अहमदाबाद माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा महिला शीतकालीन पिकनिक का आयोजन किया गया। गार्डन में बहुत से एकल खेल, और समूह खेल खेले गए। विजेता टीम को चॉकलेट के बने मेडल पहनाये गए। सभी गेम्स के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। पिछली ऑनलाइन गतिविधियों के लिए passing the पार्सल खेलाकर पुरस्कार दिए गए। सचिव निक्की राठी ने हाऊजी खिलायी। पिकनिक के दौरान भूतपूर्व अध्यक्षायें सुशीला माहेश्वरी, मीना मुंदड़ा, सरोज राठी, संरक्षक सदस्य इंदिरा राठी, कोषाध्यक्ष - सुमन काबरा, प्रचार प्रसार मंत्री जया जेठा सहित 60 सखियाँ उपस्थित रहीं।

गवरजा माता की अद्भुत प्रतिमा वाचस्पति

कोलकाता। श्री श्री गवरजा माता गांगुली लेन की यह बहुमुल्य प्राचीन काष्ठ धातु से निर्मित वर्षो पुरानी एतिहासिक प्रतिमा है। सामाजिक कार्यकर्ता जय किशन झंवर इस के संस्थापक सदस्य व प्रेरणास्त्रोत है और वर्षो से यह प्रतिमा इनके ही घर में रहती हैं।

रुपल को राजस्थान कोहिनुर सम्मान

मुम्बई। 30 मार्च राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मुंबई के गोरेगांव फिल्म सिटी बॉलीवुड पार्क के प्रांगण में शाम 5 बजे भारत सरकार के पंजीकृत अंतरराष्ट्रीय संस्थान 'मैं भारत हूँ' फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में भव्याति भव्य राजस्थानी सांस्कृतिक ऐतिहासिक कार्यक्रम 'आपणो राजस्थान' का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में देशभर के राजस्थानी समाज के विभिन्न क्षेत्रों मे ख्यातनाम महानुभावों की उपस्थिति रही। इसमें मुख्य रूप से 'पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा मुंबई, डॉ. गोविंद माहेश्वरी कोटा, रामरतन भूतड़ा, राजकुमार काल्या, रत्नीदेवी काबरा मुंबई, विजय कुमार जैन मुंबई, शोभा सादाणी कलकत्ता, कमल गांधी कलकत्ता, इत्यादि उपस्थित थे। इन सभी की उपस्थिति में रूपल विवेक मोहता को राजस्थान कोहिनूर सम्मान से अलंकृत किया गया। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी रूपल को इसके पूर्व कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके है। गत वर्ष वह महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी द्वारा भी सम्मानित हो चुकी है। 'दिवा मिसेस इंडिया', 'मिसेस इंडिया यूनिवर्स', 'मिसेस इंडिया एलिगेंट' से भी नवाजा जा चुका है। उनको मध्यप्रदेश शासन द्वारा शासकीय प्रकल्पों के प्रचार-प्रसार के लिए ब्रांड एम्बेसेडर बनाया गया था।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के तत्वावधान व श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग अंतर्गत दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में 1 एवं 2 जून को जीवनसाथी चयन 2024 : माहेश्वरी विवाह योग्य युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जीवनसाथी चयन 2024 हेतु संयोजक कमल किशोर बियानी दुर्ग व सहसंयोजक ओमप्रकाश टावरी दुर्ग को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा सुरेश मूंधड़ा व प्रदेश मंत्री नंदकिशोर राठी ने जानकारी दी कि जीवनसाथी चयन के पंजीयन कार्यक्रम से लेकर अन्य विभिन्न व्यवस्थाओं में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन व छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन ने भी अपना पूर्ण सहयोग देने पर सहमति जताई है। संयोजक कमल किशोर बियाणी ने बताया कि ऑनलाइन पंजीयन हेतु लिंक https://parichaysammelan.in है, जिस पर किसी भी विवाह योग्य, माहेश्वरी युवक व युवती का पंजीयन किया जा सकता है। लिंक के माध्यम से प्रत्याशी की सम्पूर्ण जानकारी भरना है व उसके पश्चात QR कोड के माध्यम से 500 रुपये पंजीयन शुल्क प्रेषित कर पंजीयन को पूर्ण करना है।

शीतल जल सेवा का शुभारम्भ

निज़ामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्थानीय राजस्थान भवन के सामने राहगीरों की सेवा हेतु शीतल जल शाला प्याऊ का शुभारंभ 09 अप्रैल को किया गया। इसके साथ ही बढ़ती धूप को देखते हुए घरों में चिड़ियों के लिए पानी के कुंडे वितरित किए गए। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रामनिवास राठी एवं विशेष अतिथि के रूप में राधावल्लभ मानधणा उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक आनंद झंवर व एड. कृष्णा गट्टाणी थे। निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष गोविंद झंवर, उपाध्यक्ष गोविंदा मालू, मंत्री राजगोपाल बंग, उपमंत्री मोहित बजाज, कोषाध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा, संगठन मंत्री संदीप राठी, खेल मंत्री मयूर बंग तथा सभी कार्यकारिणी सदस्य एवं युवा साथी व समाज बंधु उपस्थिति थे।

होली से गणगौर तक का उत्सव

उदयपुर। मार्च को एक निजी रिजॉर्ट में माहेश्वरी महिला गौरव क्लब ने होली से गणगौर तक के पाँच त्योहार परम्परागत ढंग से मनाये। सचिव सीमा लाहोटी ने बताया कि 12-12 महिलाओं की पांच टीमें बनाई गई। होली टीम ने फागडिया पहन होली जला कर ढूंढ बाटी व रंगों के साथ उत्सव मनाया। रंग पंचमी टीम में 2 महिलाएं राधा कृष्ण बनीं। अन्त में गणगौर टीम ने ईसर गणगौर तैयार कर सेवरे ले शोभायात्रा निकाली। निर्णायक के रूप में रेणुका बाहेती उपस्थित थी। टीम रंगपंचमी व गणगौर विजेता रही। मंच संचालन रेखा देवपुरा ने किया। सरिता न्याती, निर्मला काबरा, कान्ता डाड, अंकिता, रीमा, प्राची, कलागहानी, शाला सोमाणी आदि कई सदस्याऐं उपस्थित रहीं।

बहुत सुंदर कथन...

रुद्राक्ष हो या इंसान
बहुत मुश्किल से मिलते हैं एक मुखी

पवन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब

जोधपुर। तमिलनाडु के डिंडीगुल में सम्पन्न चतुर्थ सीनियर नेशनल योगासन चैंपियनशिप में जोधपुर के पवन मूथा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया। जिला योगासन के सचिव गजराज सिंह शेखावत ने बताया कि प्रतियोगिता में पवन मूथा ने ट्रेडिशनल योगासन, आर्टिस्टिक पेयर व आर्टिस्टिक ग्रुप इवेंट में भाग लिया और सभी स्पर्धाओं में मेडल जीते।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। 28वें मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम का माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में अर्चित मूंदड़ा (अध्यक्ष, नगर माहेश्वरी युवा संगठन), अंकित लखोटिया, (मंत्री नगर माहेश्वरी युवा संगठन) भीलवाड़ा, रमेश राठी, जिला मंत्री, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, अनिता माहेश्वरी और सुनील मूंदड़ा ने दीप प्रज्जवलनकर शुभारंभ किया। श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा, आदित्य बाहेती, ओम प्रकाश सोमानी, सत्यनारायण तोषनीवाल, रमेश बाहेती, सत्य नारायण सोमानी, विनोद गट्टानी कार्यकर्ताओ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

खरी-खरी...

बीत गई सब त्याग, समर्पण
सेवा, प्रेम, नीति की सदियाँ

अब तो नेकी की शक्लों में
छुपकर के आती है बदियाँ

संबंधों की गहराई में
जब-जब झाँका, तब-तब पाया

तारीफ़ों के पुल के नीचे
बहती हैं मतलब की नदियाँ

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

काल्या ने बताया विजन 2030

चुरू। उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की सरदारशहर में आयोजित कार्यकारी मंडल बैठक में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं यथा सगाई पश्चात संबंधों का छूटना, विवाह उपरांत तलाक की समस्या तथा समाज की घटती जनसंख्या जैसी अनेक समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया। श्री काल्या ने बताया कि संस्कार, मान-मर्यादा और आंख की शर्म समाज के युवाओं और युवतियों में होना जरूरी है। कई समस्याओं का एकमात्र निराकरण समाज के युवक और युवतियों का समय पर विवाह होना है। युवतियों का 21 वर्ष की आयु में और युवाओं का 23 वर्ष की आयु में विवाह हो जाए, इस बात पर जोर दिया। श्री काल्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि जरूरतमंद परिवारों को विजन 2030 तक आर्थिक दृष्टि से समृद्धशाली बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है।

महारथ व ज्योति कलश यात्रा का स्वागत

उदयपुर। नवसंवत्सर की पूर्व संध्या के अवसर पर एकलिंग जी से प्रारंभ होकर निकलने वाली श्री राम महारथ यात्रा एवं ज्योति कलश यात्रा का भव्य स्वागत श्री माहेश्वरी पंचायत सेवा समिति माहेश्वरी सेवा सदन तीज का चौक धानमंडी द्वारा देहली गेट पर स्वागत द्वार लगवाकर एवम पुष्प वर्षा कर किया गया। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी पंचायत सेवा समिति माहेश्वरी सेवा सदन तीज का चौक धानमंडी के अध्यक्ष जमनेश राजकुमारी धुप्पड, माहेश्वरी समाज के कार्यकर्ता चतरलाल सोमानी तथा गौतम सोमानी आदि उपस्थित थे।

आपनो राजस्थान में काल्या

मुंबई। बॉलीवुड पार्क, फिल्म सिटी मुंबई में आयोजित 'आपनो राजस्थान' कार्यक्रम में युवा उद्यमी राजकुमार काल्या अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

स्मारिका का हुआ विमोचन

सरदारशहर। गत 7 अप्रैल को स्मारिका विमोचन समारोह आयोजन हुआ। स्मारिका संपादक नन्दलाल मून्धड़ा के सम्मानार्थ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अर्थमंत्री राजकुमार काल्या, महासभा पश्चिमांचल संयुक्तमंत्री रमाकांत बाल्दी, सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मनोज चितलांगिया, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक जुगलकिशोर सोमाणी, चुरू जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, माहेश्वरी ट्रस्ट के चेयरमैन राजकुमार करनाणी, प्रबन्धक ट्रस्टी खेतूलाल डागा, कार्यकारिणी अध्यक्ष फूसराज करनाणी, संयुक्तमंत्री विकास लखोटिया मंच पर उपस्थित थे। कन्हैयालाल धूत, गजानन्द चाण्डक, रतनलाल लाहोटी, राधेश्याम झंवर, बाबूलाल डागा, सुरेश मीमाणी, सुमित सोमाणी आदि के नेतृत्व में महिला व युवा संगठन की सराहनीय भूमिका रही।

नववर्ष के आयोजन में अनूठी पहल

रतलाम। माहेश्वरी समाज रतलाम द्वारा पारिवारिक नववर्ष मिलन की गोट में सभी समाजजनो द्वारा ''उतना ही ले थाली में व्यर्थ न जावे नाली में'' के संकल्प को साकार करते हुए 6-7 साल टोका टोकी की तपस्या का सही फल मिला। गत दिनों आयोजित 1300-1400 लोगों के भोजन में मात्र 1 किलो के आसपास ही झूठा बचा। इस कार्य में इतने सालों तक विजय असावा, कमलनयन राठी, गोविंद काकानी को सभी समाज बन्धुओ का भी काफी सहयोग रहा।

विद्यादेवी मालू का हुआ सम्मान

इंदौर। श्री माहेश्वरी डीडवाना पंचायती (140) घर थोक एवम् श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल द्वारा परंपरागत होलिका उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष राजेंद्र सोनी एवम् सुषमा मालू ने बताया कि श्री विष्णुप्रपन्नाचार्य जी के आशीर्वाद से डीडवाना के माहेश्वरी परिवारों का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया व वरिष्ठ सदस्य विद्या देवी मालू का सम्मान किया गया। कमल भलिका एवं सविता भांगडिया ने बताया कि संस्था के ही महिला और बच्चों द्वारा भारत की नारी सबसे न्यारी नृत्य नाटिका का मंचन किया गया। संयोजक पूनम मालपानी, रानी राठी, पूजा मूंदड़ा, रेखा पटवा थीं। अतिथि परिचय प्रहलाद सेठ ने दिया व अभिनंदन पत्र का वाचन राजेश सेठ ने किया। आभार पंकज गांधी ने माना। भाजपा प्रवक्ता गोविंद मालू, पुरुषोत्तम पसारी, लक्ष्मण पटवा, विमल लालावत, भगवानदास भलिका, महेश सिंगी, हरि मालू, वासु मालू आदि उपस्थित थे।

कवि सम्मलेन का हुआ आयोजन

सूरत। सूरत जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी सेवा मंडल के सहयोग से चिकित्सा, शिक्षा सेवार्थ हास्य व्यंग्य श्रृंगार के कवि सम्मलेन का अद्भुत संगम गत 7 अप्रैल को संजीवकुमार ओडोटोरियम, अडाजन, सूरत में आयोजन किया गया। सूरत जिला माहेश्वरी सभा के प्रचार प्रसार मंत्री नारायण पेरीवाल ने बताया कि देर रात तक चले इस आयोजन में देश के जाने माने हास्य एवं वीर रस कवि मनोज गुर्जर, शशिकांत यादव (मंच संचालन), डा. अनामिका जैन, हास्य पैरोडी सम्राट सुदीप भोला, लाफ्टर फेम हिमांशु बवंडर आदि कवियों ने हास्य – व्यंग्य रस की कविताओं के माध्यम से देश की तस्वीर को श्रोताओ के सम्मुख प्रस्तुत की। मंच संचालन शशिकांत यादव एवं कवियित्री डॉ. अनामिका जैन ने किया। सूरत जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पवन बजाज, सचिव अतिन बाहेती कोषाध्यक्ष रामसहाय सोनी, संगठन मंत्री मुरली लाहोटी, प्रचार प्रसार मंत्री नारायण पेरीवाल, उपाध्यक्ष टीकम असावा, परसराम मूंदड़ा, विजय भट्टर, माहेश्वरी सेवा मंडल के रंगनाथ भट्टर, रामकिशोर बाहेती, गिरधारी साबू आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी अध्यक्ष पवनकुमार बजाज ने दी। संगठन की पूरी टीम ने व्यवस्था सम्भाली।

नववर्ष का किया स्वागत

नावां शहर। आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर द्वारा हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में नावां नगर के मुख्य चौराहों नया बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड एवं झंडा चौक, ग्राम हेमपुरा एवं पांचोता में विद्यालय के भैया बहनों एवं आचार्य बंधु भगिनी द्वारा नगरवासियों एवं ग्रामवासियों को तिलक लगाकर मुंह मीठा करवा कर विक्रम संवत 2081 की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर नावा कुचामन माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड़ा ने भी सभी नगरवासियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सत्यनारायण लड्ढा माहेश्वरी समाज (नावा कुचामन तहसील अध्यक्ष), मूलचंद लड़ा (माहेश्वरी समाज नावां अध्यक्ष), अशोक कुमार लड्ढा आदि उपस्थित रहे।

बुजुर्गों की चौपाल का आयोजन

इंदौर। आज की परिस्थितियों में बुजुर्गो एवम युवा पीढ़ी के बीच सार्थक संवाद की आवश्यकता है। यह विचार इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के मंत्री मुकेश असावा ने माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा गत 29 मार्च को माहेश्वरी भवन नौलखा पर आयोजित बुजुर्गो की चौपाल कार्यक्रम में संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति सुरेश नुहाल ने की। कार्यक्रम समन्वयक दीपक भूतड़ा ने बताया कि माहेश्वरी भवन नवलखा पर आयोजित बुजुर्गो की चोपाल में 70 वर्ष के 160 से अधिक बुजुर्गो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भजन, अंताक्षरी, गायन, टेलेंट शो, आपके विचार, म्यूजिक के साथ लाइव परफॉर्मेंस, डांस और अन्य विभिन्न रोचक और मजेदार गेम्स और समाज के संबंध में प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, बुजुर्गो ने खूब आनंद लिया एवं ठहाके लगाए। कार्यक्रम का शुभारंभ माहेश्वरी समाज इंदौर जिला के अध्यक्ष रामस्वरूप धूत ने किया। स्वागत उद्बोधन समाज अध्यक्ष गोपाल लाहोटी ने दिया। कार्यक्रम के मार्गदर्शक नन्दलाल बाहेती एवं रमेशचंद्र काबरा थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश बाहेती, राखी काबरा, भावना लाहोटी, शिखा लखोटिया, वंदना तापड़िया, सुनीता लड्ढा व टीम ने किया। प्रश्नोत्तरी का आयोजन मंत्री पंकज काबरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला सहमंत्री केदार हेड़ा, उपाध्यक्ष राजेश सोमानी, संगठन मंत्री प्रह्लाद सेठ, मनोज कुईया, गोविन्द बियानी, सार्वजनिक ट्रस्ट के मंत्री अश्विन लखोटिया आदि ने सहयोग दिया। आभार सहमंत्री सौरभ राठी ने माना।

''उड़ान'' का हुआ आयोजन

रतलाम। माहेश्वरी महिला प्रगति मंडल रतलाम द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष में समाज की महिलाओं और प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से 'उड़ान' कार्यक्रम का आयोजन सज्जन प्रभा सभागार में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत माहेश्वरी समाज की बहनों एवं बेटियों द्वारा नृत्य नाटिका का मंचन हुआ तथा प्रतिभाओं को मंच पर अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर दिया गया एवं उन्हें पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष ललिता सोमानी, जिला सचिव किरण माहेश्वरी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता ललिता सोमानी ने की एवं विशेष अतिथि अनिता मालपानी पूर्व जिलाध्यक्ष थीं। कार्यक्रम में रतलाम महिला मंडल अध्यक्ष शशिकला मालपानी, प्रगति मंडल अध्यक्ष राजकुमारी काबरा, सचिव अनीता लखोटिया, कोषाध्यक्ष रेखा काबरा, उपाध्यक्ष हेमलता बिसानी सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

अन्नदान का किया आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी युवा परिषद- कोयंबटूर के तत्वाधान में गत 31 मार्च को अशोकपुरम स्थित, सांई सुंदरम सुधार एंव वृद्धाश्रम गृह के रहवासियो के लिए अन्नदान का आयोजन किया गया। गृह के 30 से ज्यादा वृद्ध, असहाय एवं महिलाओं को सुबह का गरम नाश्ता करवाया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा के वयोवृद्ध सदस्य विष्णुनारायण कांकाणी, शिवरतन झंवर एंव युवा परिषद के सदस्यं शिव मंत्री, रामबाबू कांकाणी, दीपक मालाणी, मुदीत-अनोखी मालाणी आदि ने भाग लिया।

मालपानी बने उद्योग विभाग प्रदेशाध्यक्ष

महाराष्ट्र। राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी अजितदादा पवार गुट की तरफ से महाराष्ट्र प्रदेश राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी उद्योग विभाग के प्रदेशाध्यक्ष पद पर सुभाष मालपानी की नियुक्ति की गई। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मैं भारत हूँ का आयोजन

मुम्बई। गत 30 और 31 मार्च को ''मैं भारत हूँ फाउंडेशन'' ने मुंबई फिल्म सिटी में अनूठा आयोजन अध्यक्ष विजय जैन मुंबई एवं महामंत्री शोभा सादानी कोलकाता के नेतृत्व में किया। इसमें प्रसिद्ध उद्योगपतियों की उपस्थिति में, राजस्थान कोहिनूर प्रदान कर अनगिनत फिल्मी शख्सियत और प्रसिद्ध राजस्थानी भारतीयों को ट्रॉफी और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। रामेश्वर लाल काबरा, मुंबई, कमल गांधी कोलकाता, सुमन कोठारी, मुंबई, राजकुमारी काल्या, गुलाबपुरा राजस्थान, गिरधर मूंधड़ा सूरत, रामरतन भूतड़ा सूरत, मधुसूदन माहेश्वरी आदि कई हस्तियाँ उपस्थित थीं।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा 'महेश अन्न सेवा' के क्रम में समाज के भामाशाहों द्वारा जरूरतमंद बन्धुओं को गत 10 अप्रैल को जे. के. लॉन हॉस्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर लगभग 500 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदार मल भाला, संयुक्त मंत्री संदीप कचोलिया, संयोजक शंकर लाल लड्ढा, रमेश मणिहार सहित समाज के कई गणमान्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला संगठन की द्वितीय कार्य समिति बैठक सम्पन्न

नारी शक्ति और राजनीति पर चिंतन

कानपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की तृतीय कार्य समिति बैठक 'मंगल शक्ति' गत 28-29 मार्च को जूम सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में नियमित कार्यवाही के साथ ही राजनीति आदि मुद्दों पर गहन चिंतन हुआ। महामंत्री द्वारा कौशलेंद्रम् बैठक के कार्य विवरण की पुष्टि सभागार द्वारा कराई गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। महामंत्री ज्योति राठी ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत कर संगठन की दसों राष्ट्रीय समितियों द्वारा किए गए कार्यों का सुचारू रूप से विस्तृत विवरण बताया। महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष ललिता मालपानी ने ट्रस्ट की जानकारी देते हुए लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। गीता मूंदड़ा ने विशेष सहयोग देने वाली बहनों का आभार माना। विधान समिति संयोजिका मंगल मरदा द्वारा विधान संबंधित जानकारी दी गयी। उर्मिला कलंत्री व भाग्यश्री चांडक को सुचारू रूप से जूम संचालित करने हेतु धन्यवाद दिया गया। अंजलि तापड़िया ने सभी का आभार माना।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ तथा राष्ट्र महामंत्री ज्योति राठी के नेतृत्व में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की 'स्वयंसिद्धा समिति' द्वारा अनूठी पहल ''नई दिशा-स्त्री और राजनीति का सफल आयोजन'', 29 मार्च को जूम सभागार में हुआ। राजनीति का कार्यक्षेत्र महिलाओं के लिए उपयुक्त है या नहीं, कहाँ और कैसी दिक्कतें आती हैं और महिलाएं उनमें से कैसे अपना रास्ता निकालती हैं, इस पर सभी ने अपने विचार रखे। नारी की संवेदनशीलता, घर और राजनीति में सामंजस्य, अच्छे राजनीतिज्ञ के गुण, और सुशासन से कैसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है, - इन विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इन सभी विषयों पर प्रकाश डालने और राजनीति का मर्म समझाने के लिये छवि राजावत, (भारत की पहली सबसे काम उम्र की महिला MBA सरपंच), दीप्ति किरण माहेश्वरी (राजस्थान विधानसभा विधायक) तथा डॉ. किरण बेदी (पूर्व उपराज्यपाल पांडिचेरी) भारत की पहली महिला आईपीएस अफसर) उपस्थित थीं।

सुंदरकांड एवं भजन गंगा का आयोजन

भीलवाड़ा। आजाद नगर माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर आजाद नगर माहेश्वरी भवन पर सुंदरकांड पाठ और भजन गंगा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष प्रदीप जागेटिया ने बताया कि सुन्दरकांड पाठ की शुरुआत माहेश्वरी समाज के जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती, जिला मंत्री संजय जागेटीया, माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राघव कोठारी व आजाद नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष सत्यनारायण समदानी ने की। इस अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन के नगर अध्यक्ष अर्चित मूंदड़ा, नगर मंत्री अंकित लखोटिया, आजाद नगर महिला मंडल अध्यक्ष राखी राठी, सचिव संगीता काकानी, युवा संगठन के पूर्व नगर अध्यक्ष हरीश पोरवाल, तरुण सोमानी, आजाद नगर माहेश्वरी सेवा समिति अध्यक्ष जगन्नाथ बागला, मंत्री दिनेश सोमानी सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत युवा संगठन के मनोज चेचानी, पवन सोनी सहित युवा संगठन के पदाधिकारियों ने किया।

खुशबू बनी पायलट

निजामाबाद। 22 साल की कुमारी खुशबू साबू निज़ामाबाद की पहली महिला पायलट बनीं। जिला माहेश्वरी युवा संगठन ने खुशबू सुपुत्री श्रीमती हेमा-गोवर्धन साबू को सम्मानित किया।

इस्कॉन मन्दिर के लिये भूमिदान

श्रीगंगानगर। मूलतः सरदारशहर निवासी एवं वर्तमान में श्रीगंगानगर प्रवासी डॉ. महेश व डॉ. सीमा माहेश्वरी (मीमाणी) ने श्रीगंगानगर में प्रस्तावित इस्कॉन मन्दिर के निर्माणार्थ करोड़ों की भूमि समर्पित कर अपनी दानशीलता का परिचय दिया है। उल्लेखनीय है कि टांटिया अस्पताल के न्यूरो सर्जन डॉ. माहेश्वरी ने कोरोनाकाल में भी 10 लाख रूपयों का सहयोग दिया था।

सोमानी बने अध्यक्ष

हैदराबाद। श्री बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति के संस्थापक सदस्य व सह सचिव हनुमान सोमानी को सत्र 2024-2026 के लिए माहेश्वरी समाज दिलसुख प्रभाग का अध्यक्ष मनोनीत किए गया। माहेश्वरी समाज, दिलसुख नगर प्रभाग में प्रथम कार्यकारिणी सदस्य, सचिव, उपाध्यक्ष के पदों पर अपने दायित्व का सफलता पूर्वक निर्वाह श्री सोमानी अभी तक कर चुके हैं।

स्कूलों में किये कम्प्यूटर भेंट

पुणे। सांगवी परिसर महेश मंडल पुणे और वेरिटास सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सांगवी क्षेत्र के स्कूलों में कंप्यूटर और स्कूल सामग्री वितरित की गई। सांगवी में नरसिम्हा हाई स्कूल, दापोडी में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर और कासारवाडी में ज्ञानराज विद्यालय को 20 कंप्यूटर सेट प्रदान किए गए। लगभग 36 लाख रुपये की लागत वाली कंप्यूटर लैब और आधुनिक कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन कंपनी के अधिकारी विजय म्हस्कर, संजय माथुर, स्वप्ना थेटे ने किया। सांगवी परिसर महेश मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण बांगड़, सतीश लोहिया, नीलेश अटल और महेश मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि संस्था पिछले छह वर्षों से वेरिटास कंपनी के सहयोग से स्कूलों की मदद कर रही हैं।' इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द विद्यामंदिर के प्रधानाध्यापक रवीन्द्र फाफले, नरसिम्हा प्रशाला के अशोक संकपाल, ज्ञानराज विद्यालय की श्रीमती उर्मिला थोरात एवं शिक्षकों ने यह सामग्री स्वीकार की।

लिटिल मिरेकल की शुरुआत

कोयम्बटूर। माहेश्वरी समाज, कोयंबटूर के सदस्यों संतोष मुंदड़ा, प्रदीप करनाणी इत्यादी ने रोटरी क्लब, कोटन सिटी, कोयंबटूर से मिलकर, श्रीराम कृष्णा हॉस्पिटल के सहयोग से नवजात शिशुओ को बचाने हेतु ''लिटिल मिरेकल'' नाम से कार्यक्रम की शुरूआत अप्रेल के प्रथम सप्ताह में की। कार्यक्रम के तहत कोयंबटूर शहर एवं आसपास के गांवों के उन नवजात शिशुओ को लाभ मिलेगा जिनका प्रीमेच्योर जन्म होता है एवं माता-पिता इलाज कराने हेतु आर्थिक रुप से सक्षम नही हैं। उन सभी प्रीमेच्योर शिशुओ को कार्यक्रम के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी एंव नवजीवन को बचाने हेतु प्रबंध किया जाएगा। श्रीराम कृष्णा हॉस्पिटल के सक्षम डॉक्टर्स की टीम ऐसे सभी केसों का इलाज Neonatal ICU में करेगी। हॉस्पिटल इलाज शुल्क पर डिस्काउंट देगा। कार्यक्रम के तहत इलाज खर्च एवं पोष्टिक आहार के लिए आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीराम कृष्णा हॉस्पिटल के ट्रस्टी डी लक्ष्मीनारायण, समाज सेवी चेलाराघवेंद्र, अजय गुप्ता, कृष्णा सामंत, डॉ. नितिका प्रभु आदि ने भाग लिया।

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान।

Mercury Venus Earth Mars Jupiter Saturn Uranus Neptune

मधु 'अक्षरा' 'नारी शक्ति सम्मान 2024' से अलंकृत

जयपुर। श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर द्वारा 'नारी सम्मान समारोह 2024' में विविध क्षेत्रों में अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान करने वाली महिलाओं का कीर्ति वंदन किया गया। इसमें बतौर राष्ट्रीय लेखिका, साहित्यकार एवं कवयित्री के रूप में हिंदी साहित्य जगत में अपना अनुपम योगदान देने वाली गुलाबी नगरी जयपुर की मधु भूतड़ा 'अक्षरा' को दुपट्टा ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया और साथ में मंच पर काव्य पाठ हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर की अध्यक्षा ज्योति तोतला, सचिव अल्पना शारदा, निर्वतमान अध्यक्षा रजनी माहेश्वरी ने मधु भूतड़ा 'अक्षरा', डॉ. सुमन माहेश्वरी, रितु तोतला, आरती खटोड़, डॉ. शीतल मुंदड़ा, सुनीता तोषनीवाल, नीलम सोडाणी, पूजा भाला, मंजु जाजू, मीनाक्षी लखोटिया, किरण परवाल, सुमित्रा असावा, संगीता माहेश्वरी, सुनीता तोषनीवाल एवं संतोष लड्ढा सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष केदार भाला, बजरंग बाहेती, बृजमोहन बाहेती, अरुण बाहेती, निवर्तमान रजनी माहेश्वरी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

पारडी में हुई बारह ज्योतिर्लिंग रामेश्वर धाम मंदिर की स्थापना

नांदेड़। अनेक वर्षों पहले नांदेड़ निवासी तोषणीवाल परिवार, मूलतः पारडी (राज.) गांव में निवास करते थे। रामेश्वर तोषणीवाल नांदेड़ में रहते हुए भी अपने पितृत्व गांव को कभी नहीं भूले। लगभग 70 वर्ष पूर्व अपने गांव में नीम के पेड़ के नीचे एक शिवलिंग की पूजा अर्चना होती थी, तत्पश्चात गांव वालों ने मिलकर एक छोटा सा श्री खोड़केश्वर महादेव मंदिर बनाया। इस मंदिर में तोषणीवाल परिवार द्वारा गत 70 वर्षों से निरंतर आमली बारस के दिन भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस भंडारे में गांव वालों के साथ-साथ सम्पूर्ण तोष्णीवाल परिवार रामेश्वर तोषणीवाल, उनके छोटे भाई स्व. श्री मोहनलाल तथा स्व. श्री मदनलाल आदि सक्रियता से उपस्थित रह कर सेवा देते रहे हैं। 12 वर्ष पहले श्री खोड़केश्वर महादेव मंदिर एवं परिसर को भव्य रूप दिया गया जिसमें तोषनीवाल परिवार एवं गांव वालों के सहकार्य से जिम्नोद्धार संपन्न हुआ। गत अनेक वर्षों से श्री तोषणीवाल के मन में पितृत्व गांव में बारह ज्योतिर्लिंग का मंदिर स्थापित करने का विचार था। गत 20 अप्रैल को संपूर्ण परिवार बहन बेटियों एवं गांव वालों की उपस्थिति में भव्य मंदिर में रामेश्वर धाम बारह ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई। रामेश्वर धाम बारह शिवलिंग की स्थापना मे गंगाप्रसाद तोषणीवाल, दुर्गाप्रसाद तोषणीवाल, ओमप्रकाश, तोषणीवाल, सुनील तोष्णीवाल, नितेश तोषणीवाल, अभिषेक तोषणीवाल, सचिन विजयकुमार, लखोटिया, रोहित राजेशकुमार भराडिया, पुरषोत्तम तापडिया, श्याम भक्कड़, आनंदराम सोमानी तथा दिनेश सोनी आदि उपस्थित थे।

श्रुति करेगी भारत का प्रतिनिधित्व

मनासा। नगर की प्रतिष्ठित फर्म 'लक्ष्मी मंगल' के ऑनर विनोद झँवर की बिटिया श्रुति झँवर ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर पूरे भारत का गौरव बढ़ाया है। IBFD नीदरलैंड की एक संस्था है, जो अंतराष्ट्रीय टैक्सेशन के विषय पर एक विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा आयोजित करती है, जिसमें 30 से अधिक देश भाग लेते हैं। इस वर्ष उसके अंतिम चरण में तीन देशों का चयन हुआ है, जिसमें भारत, रोमानिया एवं चीन हैं। भारत का प्रतिनिधित्व जिंदल लॉ कॉलेज के चार छात्र करेंगें, उनमें से एक छात्रा मनासा नगर के झँवर परिवार की बिटिया श्रुति झँवर है।

श्रद्धांजलि

श्री भंवरलाल सोमानी

कुचबिहार। समाज सदस्य भंवरलाल सोमानी (सुपुत्र स्व. त्रिलोकचंद जी) का देहावसान गत 5 अप्रैल को कूचबिहार में हो गया। आप उत्तर बंगाल माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ व्यक्तित्व थे।

श्रीमती शांतादेवी राठी

बीकानेर। माहेश्वरी समाज के मीडिया प्रभारी एवं श्रीकृष्ण माहेश्वरी मण्डल के उपमंत्री पवन कुमार राठी एवं अनुज भ्राता मनोज राठी की माता शांता देवी राठी धर्मपत्नी चांदरतन राठी का स्वर्गवास गत 20 अप्रैल को बीकानेर में हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई है।

टॉक शो का किया आयोजन

कानपुर। राष्ट्रीय महिला संगठन के तत्वावधान में रामनवमी पर ज्ञान सिद्धा समिति द्वारा एक यक्ष प्रश्न टॉक शो ''राम राज्य का युवा'' का आयोजन 16 अप्रैल को वर्चुअल जूम सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि मंजू बांगड़- राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, विशिष्ट अतिथि ज्योति राठी राष्ट्रीय महामंत्री, सम्मानित अतिथि ममता मोदानी राष्ट्रीय संगठन मंत्री, किरण लड्ढा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, विचार समीक्षक -शरद सोनी अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन थे। ज्योति राठी ने कार्यक्रम का शुभारंभ आत्म बलिदानी शरद कोठारी, राम कोठारी एवं अविनाश माहेश्वरी को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया। मंजू बांगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। सभागार में रत्नी मां सहित पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं विभूतियां उपस्थित थे। इसमें 30 से 35 साल तक के युवा पैनलिस्ट थे। अरुण लोया सिरपुर कागजनगर से, आंचल मूंदडा हिंगोली से, राधिका बाहेती रामपुरहाट से, आर्यन जाजू हैदराबाद जो अमेरिका से जुड़े थे। अनुराधा जाजू द्वारा इन युवाओं से साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक और पारिवारिक प्रश्न पूछे गए। सभी पैनलिस्ट ने बहुत सुंदर जवाब दिया। अंत में मंजू मानधना ने सभी का आभार व्यक्त किया। सह प्रभारी- अर्चना लाहोटी, सरोज मालपानी, प्रभा जाजू, मीनू झंवर, सरोज गट्टानी सहित ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति की समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

कन्याओं की पूजा कर बांटी पाठ्य सामग्री

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी की ओर से गणेशपुरा में सेवाभावी कार्य के तहत कन्याओं की पूजा कर सभी को पाठ्य सामग्री वितरित कर उनके अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि आस-पास सरकारी विद्यालय होने के बावजूद कई बच्चों के दाखिले नहीं हो रहे थे। सोसायटी द्वारा सभी अभिभावकों को आने वाले सत्र में दाखिले करवाने के लिए प्रेरित किया गया। श्री माहेश्वरी ने कहा कि भोजन, पानी, आवास के साथ-साथ शिक्षा ग्रहण करना जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संस्था अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि इस दौरान सोसायटी सदस्य नम्रता शुक्ला, अनीशा जैन, शालिनी सोनी, हेमा सोनी, वर्तिका हाडा आदि उपस्थित रहीं।

नए लेखकों का संबल बनेगा

ऋषिमुनि प्रकाशन

आप अच्छे लेखक हैं तो आपको एक अच्छे प्रकाशक की भी आवश्यकता है, जो आपके बजट में आपकी अनमोल कृति का प्रकाशन कर पाठकों तक पहुँचा सके। ऐसे सभी लेखकों के लिए देश का प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह ''ऋषिमुनि प्रकाशन'' समाधान बनकर आया है।

''ऋषिमुनि प्रकाशन'' विगत 30 वर्षों से अपने सुरूचि पूर्ण, सुंदर एवं गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन के लिए प्रतिबद्ध व प्रसिद्ध है। निरंतर आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए प्रकाशन समूह ने विभिन्न विषयों पर अब तक 100 से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर पाठकों के बीच अपनी पेठ बनायी है।

अब समूह ने अपनी नई योजना के तहत अत्यल्प लागत शुल्क लेकर कई सेवाओं के साथ जैसे टाईपिंग, प्रुफ-रीडिंग, डिज़ाइनिंग, ISBN No. आदि के साथ नये लेखकों की रचनाओं के प्रकाशन का बीड़ा उठाया है। आप आपनी कविताओं, कथाओं, व्यंग्य, आलेख व धर्म से संबंधित रचनाओं के पुस्तकाकार रूप में प्रकाशन के प्रति उत्सुक हैं तो कृपया संपर्क कर अपना मनोरथ सिद्ध करें।

सम्पर्क- 90, विद्या नगर, सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) मोबाईल : 094250-91161

www.rishimuniprakashan.com

ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित कोई भी पुस्तक आप घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं।
श्री माहेश्वरी टाईम्स के पाठकों को इनके मूल्य पर विशेष छूट प्रदान की जाएगी।

प्राणप्रतिष्ठा समारोह संपन्न

नागपुर। बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत भवन हिवरीनगर के परिसर में श्रीगणेश, श्री राधाकृष्ण, श्री नंदीश्वर महादेव के श्री विग्रह का प्राणप्रतिष्ठा समारोह धूमधाम से नवान्ह पारायण रामायण पाठ के साथ संपन्न हुआ। सचिन रामवतार तोतला ने बताया कि इस प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य यजमान पंचायत के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू व सुशीला मालू ने 6 विद्वान पंडितों के सान्निध्य में सभी विधियां पूर्ण कराई। इस महोत्सव के साथ नवरात्रि निमित्त श्री राधाकृष्णा उत्सव मंडल व राधाकृष्ण सेवा मंडल द्वारा 9 दिवसीय नवान्ह रामायण पाठ का आयोजन भी हुआ। इस कार्यक्रम में प्रभारी विजय सारडा सहप्रभारी नरसिंग सारडा, कमल तापड़िया गिरधरलाल इनान्नी, नंदकिशोर बजाज, रमेश रांदड, मधुसूदन सारडा आदि का योगदान रहा।

छाछ वितरण का शुभारम्भ

कोयंबटूर। गत 07 अप्रेल को माहेश्वरी युवा परिषद कोयंबटूर के तत्वावधान में श्री माहेश्वरी भवन के सामने थडागंम रोड़ पर छाछ वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। माहेश्वरी सभा की ओर से अध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी एवं वरिष्ठ सदस्य मदन गोपाल भुराड़िया ने मुख्य अतिथियों पार्षद व सरपंच का स्वागत किया। ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत के साथ ही प्रतिदिन आम जनता एवं सभी राहगीर छाछ पेय से लाभान्वित हो रहे है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्यों विष्णुनारायण काकाणी, मदन मोहन भुराड़िया, भूतपूर्व अध्यक्ष सीताराम कांकाणी, सचिव संतोष मूंदड़ा, ओमप्रकाश चांडक, गिरीराज चांडक, राजेश कांकाणी भूतपूर्व युवा अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया आदि उपस्थित थे।

बसंती चांडक साहित्य पुरस्कार - वर्ष 2024

माहेश्वरी महिला साहित्यकार इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगी

पुरस्कार : गद्य के लिए रूपये एक लाख एवं पद्य के लिए रूपये पच्चीस हजार

माहेश्वरी समाज में इस प्रकार का महिलाओं के लिए दिया जानेवाला प्रथम पुरस्कार है।

बसंती चांडक साहित्य पुरस्कार समिति

बसंती हॉस्पीटल, रामदास पेठ, अकोला - ४४४००५. मो. 8007720747

puraskarsamiti@gmail.com

माहेश्वरी मंडल कार्यकारिणी गठित

वर्धा। स्थानीय माहेश्वरी मंडल की नवीन कार्यकारीणी गठित की गई। इसमें अध्यक्ष- अनिल जावंधिया, सचिव- डॉ. ललित राठी, उपाध्यक्ष - विजय राठी (कृषि केंद्र), कोषाध्यक्ष- हरीश चांडक, सहसचिव- विशाल राठी, संगठन सचिव- अमित गांधी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का चयन हुआ। राजकुमार जाजू को पुनः समन्वयक का दायित्व सौंपा गया।

छप्पन भोग अर्पण महोत्सव

सूरत। बीमार गौ वंश की सेवार्थ गौ शाला प्रांगण में नवचंडी यज्ञ का आयोजन कर गौ माता को छप्पन भोग का महाप्रसाद अर्पित किया गया। सदभावना गौ सेवा चैरिटबल ट्रस्ट द्वारा चैत्र नवरात्रि की अष्टमी पर बीमार गायों की सेवार्थ नवचंडी यज्ञ एवम गौ माता के लिए छप्पन भोग अर्पण महोत्सव मनाया गया। गौ माता एवं बछड़े का श्रृंगार कर बीमार गायों के समक्ष गौ शाला प्रांगण में ही गौ माता के सुखद भविष्य की मंगल कामनाएं कर गायों को संस्था द्वारा छप्पन भोग खिलाया गया। इसमें परिवार एवं संस्था के सभी सदस्य शामिल हुए।

संस्कारों का दिया संदेश

रायपुर। जिला माहेश्वरी महिला समिति छत्तीसगढ़ प्रदेश रघुकुल रीत सिद्धा- पारिवारिक समरसता एंव परामर्श समिति के अंतर्गत भावी पीढ़ी को संस्कार रूपी शिक्षाप्रद संदेश देने हेतु विशिष्ट आयोजन हुआ। इसमें संजीवनी वृद्धाश्रम (कोटा) से आए वृद्धजनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मां भारती विद्यालय में शानदार प्रस्तुति दी गयी। प्राचार्य मोना रोचलानी,वृद्धाश्रम की प्रबंधक लीला जैन, छत्तीसगढ़ प्रदेश सत्र संरक्षिका पुष्पा राठी, विशेष सलाहकार संतोष चांडक, जिलाध्यक्ष पुष्पा लाहोटी, सचिव वर्षा लाहोटी, समिति संयोजिका शशी कला काबरा, ममता सोमानी, देवकी लढढा सहित रायपुर जिले की समस्त पदाधिकारी एंव कार्यकारिणी सदस्याऐं उपस्थित थीं। वृद्धाश्रम हेतु सहायतार्थ राशि महेश महिला संगठन से कुसुम झंवर व संतोष मोहता द्वारा दी गई।

माहेश्वरी सभा की साधारण सभा सम्पन्न

सूरत। अड़ाजन घुड़दौड़ रोड माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की वार्षिक साधारण सभा गत 15 अप्रैल को सम्पन्न हुई। सभा अध्यक्ष सुनील माहेश्वरी ने समाज द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभा सचिव सुनील जागेटिया ने सत्र 2023-24 में सम्पन्न हुए कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष धनश्याम सोनी ने सत्र के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पवन बजाज, जिला सचिव अतिन बाहेती, जिला कोषाध्यक्ष रामसहाय सोनी, संभाग उपाध्यक्ष विजय भट्टड़, सह सचिव महेश खटोड़, जिला सभा कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश देवपुरा, कृष्ण कुमार तापड़िया, गोपाल लड्ढा, प्रवेश मोहता सहित समाज के कई प्रबुद्ध सदस्य उपस्थित रहे। आभार सह-सचिव रविन्द्र देवपुरा ने माना।

शीतल जल सेवा का शुभारम्भ

अकोला (महा.)। गुड्डी पड़वा के शुभ अवसर पर रतनलाल प्लॉट स्थित डोडिया निवास पर शीतल जल सेवा का शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्य में 200 लीटर से अधिक शीतल जल हर दिन निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर निरंजन डोडिया,पुष्पा डोडिया रामेश्वर काबरा, राजीव मुंडडा, प्रियंका डोडिया, छवि डोडिया आदि उपस्थित थे। यह सेवा कार्य पिछले कई वर्षों से आशीष डोडिया द्वारा संचालित किया जा रहा है।

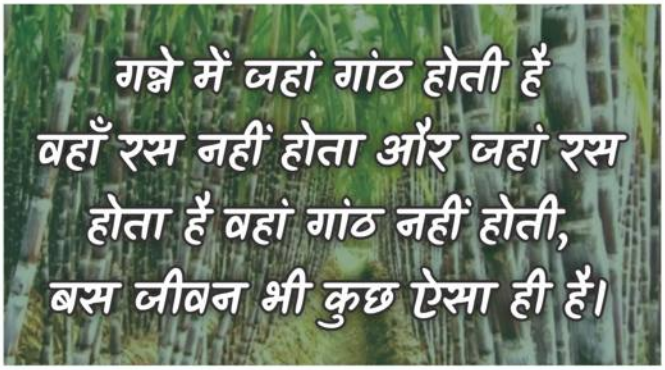

निःशुल्क नैत्र शिविर आयोजित

आबोहर। माहेश्वरी सभा अबोहर द्वारा माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से स्वर्गीय श्री गिरधारीलाल पेडिवाल की स्मृति में आंखों का चेकअप एवं ऑपरेशन कैंप लगाया गया, जिसमें 660 मरीजों का चेकअप करके आंखों की दवाई दी गई। उसमें से 165 मरीजों के मुफ्त ऑपरेशन के लिए व्यवस्था की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. आशीष बाल्दी बठिंडा (राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवम महासभा के MISSION IAS 100 के उतरांचल प्रभारी) एवं प्रदेश सचिव जगदीश मंत्री बठिंडा सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजनों, मातृ शक्ति एवं युवा साथियों ने शामिल होकर सेवा कार्यों में बढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीनिवास बिहानी फाजिल्का ने की। अबोहर सभा के अध्यक्ष आनंद पेडीवाल एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप पेडीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मतदाताओं को किया जागरूक

नावां। स्विप कार्यक्रम का आयोजन आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर में विद्यार्थियों को मतदान के प्रति अपने घर एवं आस पड़ोस में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नावां कुचामन तहसील माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, संरक्षक ओम प्रकाश सोनी, जिला उपाध्यक्ष रमेशचंद बियानी व स्टूडेंट क्लब नावां के संरक्षक मोतीराम मारवाल उपस्थित रहे। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा ने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को मतदाता जागरूकता पत्रक देकर बताया कि अपने घर एवं अपने पड़ोस में यह सूचना पत्रक देकर लोकतंत्र का करें सम्मान, जरूर करें अपना मतदान लोकतंत्र की यही पहचान आदि समझाकर, शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक व स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

जो व्यक्ति अपने पास होने वाली
चीजों से संतुष्ट नहीं है, उसे
भविष्य में मिलने वाली चीजों से
भी कभी संतोष नहीं होगा।

शेखर मूंदड़ा का हुआ स्वागत

नांदेड़। महाराष्ट्र गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष शेखर मूंदड़ा का नांदेड शहर में भव्य स्वागत हुआ। श्री मूंदड़ा NGO फेडरेशन के महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष एवं अनेक संगठनों में संस्थापक अध्यक्ष तथा पदाधिकारी व पुणे में माहेश्वरी विद्या प्रचारक संस्था के कार्य अध्यक्ष भी हैं। गत 23 अप्रैल को नांदेड़ में आगमन पर अनेक गौशाला के पदाधिकारी, गो भक्त, गोसेवक व गोपालक ने उनका स्वागत किया। नांदेड़ में सर्वप्रथम डॉ. सत्यनारायण काबरा के पुत्र पार्थ काबरा से प्रेरित होकर श्री काबरा के घर गए वहां पर नांदेड जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोवर्धन बियानी तथा खडकुत गौशाला के प्रमुख प्रबंधक ओमप्रकाश धुत व मराठवाड़ा के डॉ. सुशील राठी सामाजिक कार्यकर्ता एवं डॉ. लक्ष्मीकांत बजाज तथा महेश बाहेती व कचरू बजाज की उपस्थिति में नांदेड़ गौशाला विषय पर चर्चा हुई।

माहेश्वरी समाज के मूल संस्कारों और रीति रिवाजों से करायेगी पहचान

ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज़

जिसमें पाऐगें आप माहेश्वरी समाज में प्रचलित
रीति-रिवाजों के साथ ही
विवाह संस्कार, जन्म संस्कार, मृत्यु संस्कार तथा
माहेश्वरी परम्पराओं के विशिष्ट पर्वों गणगौर, सातुड़ी तीज
तथा ऋषि पंचमी पर केन्द्रीत विशिष्ट जानकारी।

विशेष छूट के साथ उपलब्ध
Rs. 125/-
Rs. 100/-

ऋषिमुनि प्रकाशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161, 91799-28991
rishimuniprakashan@gmail.com

*महिला संगठनों के लिए विशेष छूट के साथ उपलब्ध

amazon पर उपलब्ध

सतीश बजाज हुए सम्मानित

नागदा। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट की रीजन ब्लू के रीजन चेयर पर्सन अजय गरवाल की रीजन काँफ्रेंस में लायंस क्लब नागदा के वरिष्ठ सदस्य सतीश बजाज को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार (अवार्ड) से गरिमामय कार्यक्रम में सम्मनित किया गया। मुख्य अतिथि लायंस अंतर्राष्ट्रीय के पूर्व निदेशक राजू मनवानी (मुंबई) थे।

रक्त दान शिविर का हुआ आयोजन

बठिंडा। माहेश्वरी सभा द्वारा नौजवान वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से स्व. श्री अजय माहेश्वरी सुपुत्र राजिंदर माहेश्वरी के भोग समागम पर रक्तदान कैंप का भुच्चो मंडी में आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष सोनू माहेश्वरी ने बताया कि इस कैंप में स्वेच्छा से 18 लोगों ने अपना रक्तदान करके दिवंगत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजली अर्पित की। हरियाणा पंजाब के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रदीप पेड़ीवाल, सुशील मूंदड़ा, सुप्रीम कोठारी, परवीन मिमानी, मनीष माहेश्वरी आदि ने अपना सहयोग दिया।

माताजी की पूजा का किया आयोजन

सांगली (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र राज्य के सांगली में सप्तमी पर माहेश्वरी समाज की माताजी के स्थान पर पूजा एवं होम किया गया। ऐसा उपक्रम महाराष्ट्र राज्य में प्रथम बार आयोजित किया गया। इसमें महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों तथा सांगली के स्थानीय माहेश्वरी समाज के सदस्यों ने भाग लिया।कार्यक्रम सांगली जिला माहेश्वरी महासभा तथा माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

उचित शुल्क पर नी रिप्लेसमेंट

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन के सदस्य डॉ. नवीन मालू (MS Ortho Gold Medallist, M.Ch UK) ने सामाजिक हित में रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट उचित दाम में करने का निर्णय लिया। निजामाबाद शहर के प्रमुख आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मालु ने हाल ही में जॉनसन एंड जॉनसन की एडवांस रोबोटिक मशीन विदेश से मंगाई जो कि सम्पूर्ण भारत में केवल कुछ ही जगहों पर उपलब्ध है, जिसमें से एक निजामाबाद शहर है। इस मशीन की कई विशेष खासियत हैं जैसे कि नी रिप्लेसमेंट (Knee Replacement) करते वक्त खून का कम बहना, एक्यूरेट मेजरमेंट इत्यादि।

उपलब्धि

मोहित को एमबीए उपाधि

अकोला। व्यवसायी रेखचंद राठी के पौत्र तथा रमेश-ममता राठी के सुपुत्र मोहित राठी ने आय आय एम अहमदाबाद से प्राविण्य के साथ एम बी ए की उपाधि प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अर्पिता को पीएचडी उपाधि

अमरावती। समाज सदस्य ओमप्रकाश श्रीनिवास लड्ढा की बहू एवं विजयकुमार गुलाबचंद सोमानी की बेटी अर्पिता हर्ष लड्ढा ने संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ से वाणिज्य शाखा के अंतर्गत पीएच.डी पदवी प्राप्त की। उनके शोध का विषय An Analytical Study of Commercial Impact of Farm Mechanization on Farmers of Amravati District (2011-19) था। इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

खुशी को मिली एमबीबीएस उपाधि

देवास। सोनकच्छ के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अभिभाषक सत्यनारायण लाठी की सुपौत्री एवं गगन लाठी एडवोकेट की सुपुत्री डॉ. खुशी लाठी विगत वर्ष मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आयोजित एमबीबीएस की परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुई थी। एक साल की इंटर्नशिप श्री अरविंदो कॉलेज से पूर्ण होने पर उन्हें गत 20 अप्रैल को श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज इंदौर में आयोजित हुए दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. रविंद्र कोल्हे एवं पद्मश्री डॉ. स्मिता कोल्हे ने डॉ. ज्योति बिंदल, डॉ. मोहित भंडारी, डॉक्टर जयश्री तापड़िया, आनंद मिश्रा, एवं डॉ. बावरे की उपस्थिति में एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की गई।

स्नेह के रंग में रंगने के पर्व होली के पश्चात् प्रारम्भ स्नेह मिलन व होली समारोह का दौर सतत चलता रहा। विभिन्न संगठनों ने मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ इनका आयोजन किया।

होली के बाद भी कायम स्नेह के रंग

जोधपुर। श्री माहेश्वरी समाज समिति, पश्चिमी क्षेत्र, जोधपुर द्वारा होली स्नेह मिलन व फागोत्सव गत 23 मार्च को आनन्द व उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस उपलक्ष्य में भजन गायिका नेहा मून्दड़ा लोहिया द्वारा कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में पुष्प की होली खेली गई। इस मौके पर पुखराज फोफलिया अध्यक्ष, महेन्द्र मालपानी उपाध्यक्ष, श्यामसुन्दर धूत सचिव, राजेन्द्र कुमार मंत्री कोषाध्यक्ष, दिलीप लाहोटी सहसचिव, कार्यक्रम संयोजक नीरज मून्दड़ा सहित कार्यकारिणी के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

सूरत। होली फागोत्सव के अवसर पर गत 25 मार्च को मॉडल टाऊन डुम्भाल माहेश्वरी सभा (MDMS) व पर्वत बारडोली माहेश्वरी सभा (PBMS) की संयुक्त शोभायात्रा निकली। दिल्ली से आई विशेष टीम द्वारा अद्भुत एवं आकर्षक कलाओं का प्रदर्शन किया गया। सिटी माहेश्वरी सभा (CMS) द्वारा शोभायात्रा निकाली गई जिसमें समाज के भामाशाहों व गणमान्य लोगों का स्वागत किया गया। जगदीश कोठारी कार्यक्रम के संयोजक थे। भटार माहेश्वरी सभा (BMS) द्वारा भी शोभायात्रा निकाली गई। सभी शोभायात्राओ में हजारो लोगो ने भाग लिया। जिला सभा पदाधिकारी व पदेन सदस्यों ने शोभायात्राओ में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

सूरत। माहेश्वरी नवयुवक मंडल सूरत द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन गत 25 मार्च, 2024 को सायं 5:30 बजे से SMC पार्टी पलोट, अठवां लाइंस सूरत में किया गया। इसमें 6500 से अधिक समाज बंधुओ ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ठंडाई व स्वरूचि महाप्रसादी ग्रहण किया। कार्यक्रम में सूरत जिला माहेश्वरी सभा के आगामी कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई। समाज के गणमान्य लोगों व भामाशाहों का सम्मान अध्यक्ष पवन चांडक व सचिव भगवती गग्गड़ सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने किया।

कोयम्बटूर। होली के उपलक्ष्य में माहेश्वरी युवा परिषद, कोयंबटूर द्वारा 24 मार्च को माहेश्वरी भवन परिसर में रंगो की होली खेलने के रंगारंग कार्यक्रम 'होली रंगोत्सव' का आयोजन पहली बार किया गया। कार्यक्रम में समाज के 80 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया जिसमें सभी आयुवर्ग के महिला एवं पुरुष सम्मिलित थे। सभी ने एक दूसरे को गुलाल एवं रंग लगा कर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर युवा परिषद की ओर से गुलाल, डीजे, रेन डांस, ठण्डाई एंव भोजन की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम की व्यवस्था में युवा परिषद अध्यक्ष गिरीराज फोमरा, कार्यसमिति सदस्य गिरीराज चांडक, गोविंद मण्डोवरा, आशीष चांडक, रौनक राठी, सुमिरन मालू आदि ने अहम योगदान दिया।

फरीदाबाद। माहेश्वरी मंडल द्वारा होली का रंगारंग त्यौहार 20 से 24 मार्च 5 दिनों तक मनाया गया। माहेश्वरी मंडल के सचिव महेश गट्टानी ने बताया कि होली उत्सव 2024 को शानदार तरीके से मनाने हेतु होली के रसिया राकेश सोनी, राजेश सोमानी, आनंद बागड़ी, देवेश चांडक, मनमोहन सोमानी, टीपी महेश्वरी आदि सभी समाज बंधुओं ने योगदान दिया। गत 25 मार्च को माहेश्वरी सेवा सदन 160 सेक्टर 7 फरीदाबाद में सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक होली मिलन का कार्यक्रम 100 से ज्यादा समाज बंधुओं की उपस्थिति में एक दूसरे पर गुलाल लगाकर होली के पकवान के साथ ठंडाई का आनंद लेते हुए संपन्न हुआ।

लखनऊ। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गत 28 मार्च को होली मिलन कार्यक्रम माधव सभागार निराला नगर में मनाया गया। कार्यक्रम में मंच पर महिला मंडल की तरफ़ से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि नीरज केला पूर्व IAS का मंच पर स्वागत किया गया। मंच का संचालन विनम्र माहेश्वरी द्वारा किया गया। अध्यक्ष शरद लाहोटी एवं मंत्री निखिल बलदुआ द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। युवा परिषद द्वारा मंच पर टॉप ऑफ़ कलर्स थीम पर रैम्प वॉक कराया गया। युवा परिषद के मंत्री संस्कार बलदुआ द्वारा भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया गया।

इंदौर। माहेश्वरी फ्रेन्डस ग्रुप के सदस्यों का फाग उत्सव श्रीजी वाटिका में मनाया गया। ग्रुप के सदस्य दम्पत्तियों ने ढपली बजाकर, राधाकृष्ण बनकर नाट्य किया। होली के फाग गीत व भजन के साथ फूलों की वर्षा की गई। कार्यक्रम में सुरेश जमना राठी, सम्पत कुमार राधा साबू आदि कई ग्रुप के सदस्य दम्पत्ति उपस्थित थे।

बैंगलुरु। माहेश्वरी सभा ने अपना पारंपारिक होली स्नेह मिलन कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से पैलेस ग्राउंड्स गेट नंबर 9 प्रिंसेस श्राइन में आयोजित किया। माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति सदस्य मनमोहन बाहेती, अशोक भुतड़ा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के उपाध्यक्ष महेशचंद रांदड़, माहेश्वरी फाउण्डेशन के चेयरमेन राजगोपाल भूतड़ा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमेन मोहनलाल माहेश्वरी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालु आदि ने भगवान महेश का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नवलकिशोर मालू ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। माहेश्वरी सभा के स्वर्णिम वर्ष में पदार्पण के उपलक्ष्य में सभा के सभी पूर्व व वर्तमान अध्यक्ष द्वारा स्वर्णिम वर्ष के सुपर लोगो का अनावरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी गिलड़ा ने किया।

कोयंबटूर। होली के पश्चात स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा हर वर्ष की भाँति होली स्नेह मिलन का शानदार कार्यक्रम, माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के 150 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया एवं एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की शुरुआत सभाध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी के उद्बोधन से हुई। विभिन्न सदस्यों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम के आयोजन में सभा सचिव संतोष मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद सोमाणी, युवा परिषद अध्यक्ष गिरीराज फोमरा, सदस्य आशीष चांडक, सुमिरन मालू आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

समाजसेवा के 'युथ आयकॉन'

संदेश रांदड़

मानवीय संवेदना के साथ किया गया हर कार्य समाजसेवा है, इसी वाक्य को चरितार्थ कर रहे हैं, अकोला निवासी युवा समाजसेवी संदेश रांदड़। अपनी इन्हीं सेवा भावना के कारण वे सेवा पथ पर युवाओं के लिये समाजसेवा क्षेत्र में ''आयकॉन'' बन चुके हैं।

अकोला निवासी संदेश रांदड़ एक ऐसे समाजसेवी हैं, जिनकी सेवा कभी किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित होकर भी नहीं रहीं। उन्हें जहाँ लगा कि मानवता की सेवा के लिये कुछ करना चाहिये। बस वे अपनी पूरी टीम के साथ जुट गये। रोटरी क्लब व जेसीआई जैसी सेवा संस्थाऐं तो उनकी इन्हीं सेवा भावना का प्रबल माध्यम बनीं। उनकी इन्हीं सेवा भावनाओं को देखते हुए स्माल फायनेंस बैंक एयू स्मॉल द्वारा श्री रांदड़ को '''युथ आयकॉन'' अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

परिवार से मिली प्रेरणा

श्री रांदड़ का जन्म 10 अक्टूबर 1976 को अकोला में हुआ। फिर बी. कॉम. तक की शिक्षा ग्रहण कर अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाना शुरु किया और धामणगांव रेल्वे निवासी अनिलकुमार राठी की सुपुत्री कीर्ति के साथ वर्ष 2002 में परिणय बंधन में बंध गये। समाज सेवा का जज्बा उन्हें समाजसेवी पिता कमलकिशोर रामगोपाल रांदड, माता सौ.पुष्पमाला रांदड, बड़े भाई सुधीर रांदड, भाभी अर्चना रांदड, मामा ओमप्रकाश चांडक अमरावती, बड़ी बहन कविता नवलकिशोर मालु, जयमाला सुनील कुमार भैय्या जलगांव जामोद, मधु किसनगोपाल मूंदड़ा सूरत से विरासत में मिला। अभी वर्तमान में इन्हीं कार्यों से प्रोत्साहित हो भतीजे शिवम रांदड भी रोटॅरेक्ट क्लब के अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। धर्मपत्नी कीर्ति रांदड भी माहेश्वरी नवयुवती मंडल धामनगांव रेल्वे की अध्यक्ष रह चुकी हैं व आज भी समाज कार्य में सक्रिय हैं।

ऐसे हुई समाज सेवा की शुरुआत

सन् 2001 में वे रोटॅरेक्ट क्लब के अध्यक्ष बने। सन् 2008 में माहेश्वरी प्रगति मंडल की बागडोर संभाली। इसमें हरियाली हेतु पेड़ लगवाये, जनजागृति अभियान चलाया। एक शाम हनुमानजी के नाम जैसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। समाज में एसएमएस सुविधा शुरु करवायी, ब्लड डोनेशन कैम्प, मधुमेह शिविर आदि का आयोजन किया। समाज के घर पहचाने जायें इसीलिए जय महेश के स्टिकर्स समाज के हर घर पर लगाये गये। दीपावली अन्नकुट कार्यक्रम में भी हर साल विशेष धार्मिक सत्संग आयोजन की शुरुआत की। सन् 2010 में समर्पण ग्रुप की स्थापना करके संस्थापक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सम्भाली। इस संस्था द्वारा समाज के युवाओं को समर्पण की धारा से जोड़ा। प्लॉस्टीक मुक्त अभियान शुरु कर 25000 से भी ज्यादा कपड़ों की थैलियां बांटी, जरुरतमंद बच्चो को शालेय साहित्य का वितरण किया। धार्मिंक भजन पुस्तिका का पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील के हाथो राष्ट्रपति भवन में विमोचन किया गया। आँखों की जाँच के शिविर लगवाये। धार्मिक कार्य से समाज का युवा वर्ग जुडें इसी सोच के साथ माहेश्वरी प्रगति मंडल सुंदरकांड समिति की स्थापना की।

सेवा के वृहद आयाम

सन् 2012 में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी में एक्जीक्युटीव्ह मेम्बर की सदस्यता ग्रहण की। वर्ष 2014-2015 में रोटरी क्लब ऑफ अकोला मिडटाऊन के उपाध्यक्ष पद पर रहे। अभी वर्तमान में रोटरी क्लब ऑफ अकोला मिडटाऊन के अध्यक्ष हैं जिसमें अनगिनत व बेहतरीन प्रकल्प संचालित किये हैं। लगभग 150 से भी अधिक सदस्य वाली इस संस्था में शहर के कई प्रतिष्ठित सदस्य हैं। वर्ष 2016 में जे.सी.आय. अकोला सिटी के अध्यक्ष पद की बागडोर संभाली। इसके माध्यम से जेल के अंदर कैदियों को स्लिपर्स, कपड़े, कंबल, मेन हॉस्पिटल के रोगियों को फल, दुध, ब्रेड, बिस्किट, वॉकर्स आदि का वितरण नियमित रुप से किया। शहर की गाड़ियों एवं रास्तों पर रेडीयम के स्टिकर्स और दिशा फलक बोर्ड लगाये गये। कई प्रकार के ट्रेनिंग सेमिनार आयोजित किये। युथ रेडक्रॉस सोसायटी अकोला शाखा में 2017 में अध्यक्ष पद ग्रहण कर जरुरतमंद बच्चों को साईकल, किताबों का वितरण किया।

पशु-पक्षियों के लिए भी संवेदना

ग्रीष्मकाल में चिलमिलाती धुप में पंछियों के पानी के लिये मिट्टी के पॉट का वितरण किया। शहर में मोबाईल पानी की केन की जल सेवा की कई जगह शुरुआत की। स्कूलो में वॉटर कूलर लगाये। माहेश्वरी समाज ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। नेशनल ह्युमन राईटस् में भी आप सदस्य हैं। इनके साथ नेत्रकमलांजली, विदर्भ चेंबर, मेलोडी ग्रुप, निसर्ग वैभव, श्री सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट, पक्षी प्रेमी ग्रुप आदि सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं में भी अग्रसर रहते है। देहदान, नेत्रदान, रक्तदान कराने हेतु वे सभी को निरंतर प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने अभी तक 30 से भी ज्यादा रक्तदान शिविर आयोजित करवाकर समाज कार्य में सक्रिय योगदान दिया। वे स्वयं 50 से भी ज्यादा बार रक्तदान कर चुके हैं। इसको लेकर तात्कालीन राज्यमंत्री रणजीत पाटील के हाथों उन्हें सम्मानित किया गया। इसी प्रकार रोटॅरेक्ट डिस्ट्रिक्ट व जेसीआय में भी कई अवार्ड से राष्ट्रीय अध्यक्षा के हाथों सम्मानित किया गया।

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी
और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क
पंजीकरण
9312946867

मतदान हमारा अधिकार ही नहीं कर्त्तव्य है। लोगों की सोच रहती है कि हमारे अकेले के वोट से क्या होता है। जबकि हकीकत में ये वोट भी निर्णायक हो सकता है। आई देखें इसके प्रमाण।

अपने अमूल्य वोट की कीमत समझ मतदान अवश्य करें

गोवर्धन दास बिन्नाणी
'राजा बाबू', बीकानेर

सभी जानते ही नहीं, मानते भी हैं कि, किसी भी तरह की प्रतियोगिता हो या चुनाव, वहाँ मतदान के माध्यम से निर्णय की स्थिति में पहुँचना सर्व हितकारी होता है। यानी हर एक मत अतिमहत्वपूर्ण होता है। मतदाता का एक-एक मत कीमती होता है, इसलिए ही 'हर मत मायने रखता है', बताया जाता है। इसके बावजूद बहुत से लोग इस पर विश्वास नहीं करते और यहाँ तक सोचते हैं कि, उनके एक मत से वास्तव में कोई फर्क पड़ने वाला नहीं, जबकि इतिहास गवाह है कि, महज एक मत की हार से तख्तापलट हो गया, जीत हार में बदल गई। और तो और सिर्फ एक मत से सरकार गिरी, राजाओं की गद्दी गई और हिटलर पदासीन हो गया। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहाँ एक मत ने पूरी बाजी पलट दी थी। देश में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में समय-समय पर ऐसे उदाहरण मिलते रहे हैं। अतः जब भी, जहाँ भी, आपको मत देने का अधिकार है, वहाँ आप बिना चूके, अपने पसंदीदा प्रत्याशी को वोट दें। सीधी सी बात यह है कि अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

एक वोट क्या-क्या कर सकता है

▶▶ 1776 में अमेरिका में एक मत ज्यादा मिलने से जर्मन भाषा के स्थान पर अंग्रेज़ी राज भाषा बनी।

▶▶ 1800 में थॉमस जेफरसन को इलेक्टोरल कॉलेज में बराबरी के बाद प्रतिनिधि सभा में एक मत से राष्ट्रपति चुना गया था।

▶▶ 1824 में एंड्रयू जैक्सन राष्ट्रपति पद के लिए जॉन क्विंसी एडम्स से एक मत से हार गए।

▶▶ 1846 में मैक्सिको के खिलाफ युद्ध की घोषणा के लिए राष्ट्रपति पोल्क का अनुरोध भी एक मत से पारित हुआ।

▶▶ 1868 में राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन पर महाभियोग लगाया गया, लेकिन उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया, क्योंकि सीनेट आवश्यक दो तिहाई से एक मत पीछे थी।

▶▶ 1875 में फ्रांस में मात्र एकमत से राजतन्त्र के स्थान पर गणतन्त्र आया।

▶▶ 1876 में 19वें अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में रदरफोर्ड बी हायेस ने 185 मत हासिल किए, जबकि सैमुअल टिलडेन को 184 मिले थे।

▶▶ 1917 में सरदार पटेल अहमदाबाद नगर पालिक निगम का चुनाव मात्र एक मत से हार गए थे।

▶▶ 1923 में एक मत ज्यादा मिलने से हिटलर नाजी पार्टी का प्रमुख बना और हिटलर युग की शुरुआत हुई।

▶▶ 1941 में कांग्रेस ने एकअधिक मत के चलते चयनात्मक सेवा अधिनियम के सक्रिय-सेवा घटक को एकवर्ष से ढाई वर्ष तक संशोधित किया।

▶▶ 1962 में मेन, रोड आइलैंड और नॉर्थ डकोटा के गवर्नर प्रति क्षेत्र औसतन एक मत से चुने गए।

▶▶ 1977 में श्री निक्सन प्रतिद्वंद्वी रॉबर्ट एमॉन्ड से 572 के मुकाबले 571 मत प्राप्त करके भी हार गए थे।

▶▶ 1994 में आम चुनाव में डाले गए 216,668 मतों में से अलास्का में प्रति क्षेत्र 1-1 मतों ने टोनी नोल्स को गवर्नर और फ्रैन उलमर को लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में चुना।

▶▶ 17 अप्रैल 1999 को सिर्फ एकमत से अटल जी की सरकार गिर गई थी। अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 270 और खिलाफ 269 मत पड़े थे।

▶▶ 2004 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जेडीएस के उम्मीदवार ए.आर.कृष्णमूर्ति भी सिर्फ एक मत से हार गए थे।

▶▶ 2008 में राजस्थान की नाथद्वारा सीट से सी.पी. जोशी मात्र एकमत से चुनाव हार गए थे।

▶▶ 2008 में स्टॉकटन, कैलिफोर्नियाः स्टॉकटन यूनिफाइड स्कूल ट्रस्टी एरिया नम्बर 3 सीट एक मत से जीती गई। जोस मोरालेस को 2302, जबकि एंथोनी सिल्वा को 2301 मत मिले।

▶▶ 2017 के राज्य सभा चुनाव में कड़े मुकाबले के बाद कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल आधे मत से जीते थे।

इतिहास में हुई भूल

सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता गोपीनाथ बोरदोलोई, जो असम के प्रथम मुख्यमंत्री रहे, भारत विभाजन के पहले 1946 में चाहते थे कि, स्यालकोट, जो पंजाब का एक हिन्दू बहुसंख्यक जनसंख्या वाला प्रान्त था (जिसकी लाहौर से दूरी है 135 किलोमीटर है जबकि जम्मू से मात्र 42 किलोमीटर) भारत में रहे। क्योंकि यह हिन्दू बहुसंख्यक जनसंख्या वाला इलाका था, फिर भी तय हुआ कि इसका फैसला जनमत संग्रह से होगा। जनमत की तारीख, समय व तरीका तय कर मतदान करवाया गया। लेकिन मतदान वाले दिन मुसलमानों ने, सबेरे से ही लम्बी-लम्बी पंक्तियाँ लगा कर, जम कर मतदान में वोट दे, हिस्सा लिया। जबकि हिन्दूओं ने वो उत्साह नहीं दिखाया । और आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि उस मतदान में 55,000 वोट के अन्तर से यह प्रस्ताव गिर गया, क्योंकि एक लाख हिन्दुओं ने मतदान में हिस्सेदारी नहीं की। जबकि उस समय वहाँ 1941 की जनगणना अनुसार 231,000 हिन्दुओं को मताधिकार प्राप्त था। इसके बाद 1946 में 16 अगस्त को मोहम्मद जिन्ना ने सीधी कार्रवाई का आह्वान (डायरेक्ट एक्शन कॉल) किया, जिसके चलते वहाँ कत्लेआम मचा।1951 में वापस जब जनगणना हुयी तब वहाँ हिन्दुओं की जनसंख्या मात्र 10,000 रह गयी।

किसी भी भवन में उसका ईशान कोण अर्थात् पूर्व-उत्तर का कोण उसका वह सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र होता है, जिस पर उसके शुभ प्रभाव निर्भर करते हैं। अतः भवन में इस कोण का विशेष रूप से ध्यान रखने की आवश्यकता है।

सकारात्मक ऊर्जा केन्द्र

ईशान कोण

ईशान दिशा के स्वामी परमात्मा हैं। अतः भवन में परमात्मा जहाँ निवास करते है उस जगह को स्वच्छ एवं सुंदर बनाकर रखना चाहिए। इस दिशा के ग्रह बृहस्पति हैं, बृहस्पति को देव गुरू माना जाता है। बृहस्पति देवताओं के गुरू हैं। किसी भूखण्ड में जब उसकी नींव भरी जाती है, तब उस भूखण्ड के ईशान कोण में वास्तु पुरुष का सिर माना गया है एवं पैर नैऋत्य में होते हैं। शरीर का मुख्य भाग सिर माना गया है। अतः भवन निर्माण में सावधानियाँ रखें।

इस कोण में न हों ये

अगर वहाँ सेप्टिक टैंक (खारकुई), लेट्रीन, कीचन, स्टेयरकेश (सीढ़ियाँ), जेनरेटर, इन्वर्टर, भारी-भरकम पीलर अन्य खण्डों से ऊँचा एवं ईशान कोण की संधि पर बोरिंग या कुँआ इत्यादि बनाने से ईशान कोण दूषित हो जाता है। वहाँ पर नकारात्मक ऊर्जाओं का आधिपत्य होने लगता है। उस भूखण्ड में रहने वाले सद्गृहस्थ की स्थिति डगमगाने लगती है। किसी भूखण्ड में ईशान कोण का कटा होना अच्छा संकेत नहीं है। इस संकेत की विवेचना बड़ी मार्मिक है। उदाहरण के तौर पर किसी मनुष्य का सिर नहीं हो तो वह शरीर मृत हो जाता है। यही बात भूखण्ड पर लागू होती है। वहाँ पुरुषों की संख्या कम होना। अगर संतान होती है, नर संतान न होना। अगर नर संतान होती है, तो विकलांग होना, इनकी संभावना अत्यधिक रहती है। किसी भी सद्गृहस्थ के मकान में ईशान कोण न हो उस भूखण्ड को त्याग देना चाहिए।

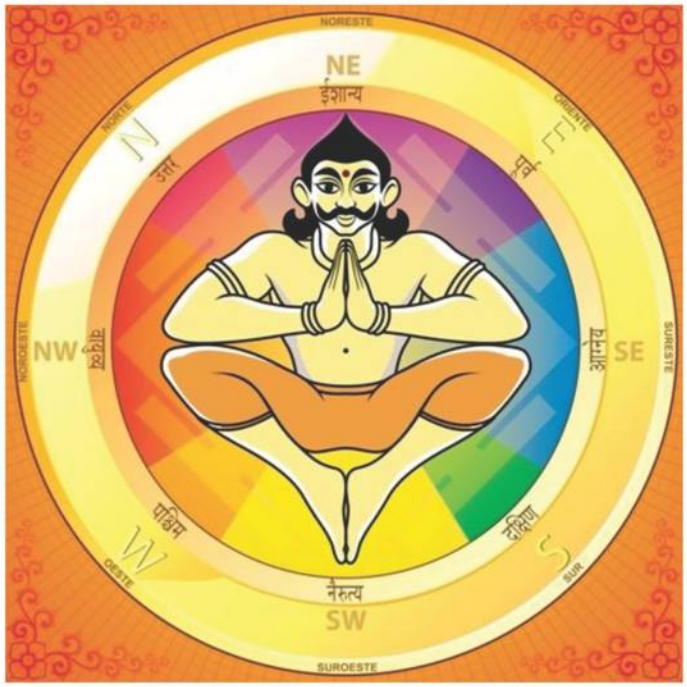

किनके लिये उपयुक्त ईशान कोण

ईशान कोण पूजा-पाठ, पठन-पाठन, ज्ञान-ध्यान के लिए उपर्युक्त स्थान है। ईशान कोण पर भूल से भी ओवरहेड टैंक, टीवी एन्टीना एवं किसी प्रकार का टावर न लगवाऐं। पूर्वी ईशान बढ़ने से उस भूखण्ड में रहने वाले व्यक्ति विद्वान होते हैं। उनके नाम की यश-कीर्ति चारों तरफ फैलती है। उत्तरी ईशान बढ़ने से भूखण्ड में रहने वाले विद्वान के साथ धन कुबेर भी होते हैं। अपनी कार्य कुशलता के कारण सद्गृहस्थ धार्मिक कार्यों में हमेशा अग्रसर रहते हैं। अतिथियों का सम्मान होता है। वंश में कुल को रोशन करने वाले चिराग मिलते हैं।

इंटीरियर में रखें इसका ध्यान

ईशान कोण में इंटीरियर कराते समय इस चीज का विशेष रूप से ध्यान रखा जाय कि वहाँ पर भारी भरकम फर्नीचर नहीं बनाया जाय। उसे देखने में हल्का-फुल्का एवं सुंदर बनाया जाय। गहरे रंगों का प्रयोग न किया जाय। हल्के रंग, हल्का नीला, हल्का हरा, पीला कराने से इस जगह में ऊर्जा का विकास होने लगता है। छोटे बच्चों, विद्यार्थियों तथा घर के बुजुर्ग जो रिटायर्ड हो चुके हैं, उनके शयनकक्ष के लिए यह कोण उपर्युक्त है।

इनका भी रखें ध्यान

ईशान कोण में ईशान की संधि को छोड़ते हुए पूर्वी या उत्तरी ईशान में बोरिंग, अंडरग्राउण्ड टैंक, कुँआ, राम और श्याम तुलसीजी के पौधे लगाऐं। इस स्थान का नीचा होना पूरे भूखण्ड के पानी का बहाव ईशान कोण की तरफ आना भूखण्ड में भवन की बनावट ईशान की तरफ हल्की एवं नैऋत्य की तरफ भारी होना ईशान में बाग-बगीचा होना, सकारात्मक ऊर्जा वर्द्धन करने में सहयोगी है। भूखण्ड के अंदर की रचना शास्त्र अनुकूल हो ईशान कोण बड़ा हो उस घर की सुख समृद्धि में बाधा नहीं आ सकती।

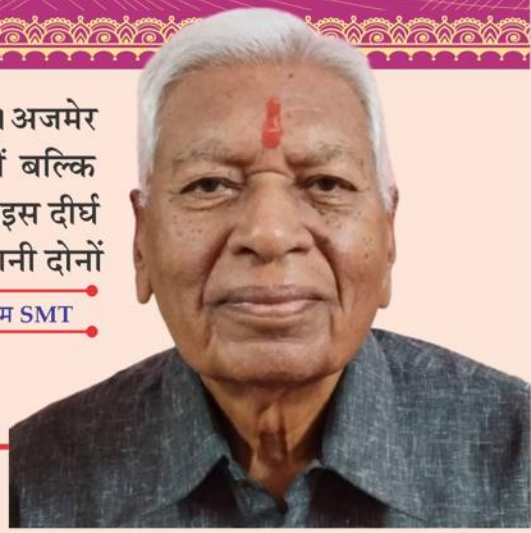

हंस आमतौर पर ऊँची व लंबी उड़ान तथा अपनी उत्कृष्टता के लिये जाने जाते हैं। अजमेर निवासी डॉ. विनोद सोमानी की पहचान केवल उपनाम 'हंस' द्वारा ही नहीं बल्कि साहित्य जगत में उनकी हंस की तरह लंबी उड़ान से भी है। डॉ. सोमानी अपनी इस दीर्घ साहित्य सेवा में अभी तक लगभग 36 पुस्तकों का सृजन कर हिन्दी व राजस्थानी दोनों साहित्य की सेवा कर रहे हैं।

■ टीम SMT

साहित्य जगत के ''सृजन हंस''

डॉ. विनोद सोमानी

साहित्य जगत में एक उत्कृष्ट कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, व्यंग्यकार, निबंधकार, जीवनी लेखक एवं अनुवादक के रूप में अपनी पहचान रखने वाले 86 वर्षीय डॉ. विनोद सोमानी ''हंस'' वर्तमान में साहित्य जगत में एक अत्यंत सम्मानजनक नाम बन चुके हैं। उन्होंने अपनी लेखनी से न सिर्फ हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया बल्कि राजस्थानी में भी पुस्तकों का सृजन किया। अभी तक ''हंस'' की हिन्दी में 26 तथा राजस्थानी में 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें 15 कविता संग्रह, 10 कहानी संग्रह, 6 उपन्यास, 2 व्यंग्य तथा 3 जीवनी, अनुवाद व निबंध संग्रह शामिल हैं। 86 वर्ष की अवस्था में भी उनकी लेखनी साहित्य की सेवा कर रही है। उनकी कई रचनाऐं देश की 200 से अधिक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं और आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि पर इनका प्रसारण भी हो चुका है। कई पत्रिकाओं का आपने मानद सम्पादन किया है। समाजसेवा के अंतर्गत महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य तथा प्रांतीय व स्थानीय सभा के भी सक्रिय सदस्य रहे हैं।

बचपन में फूटे साहित्य के अंकुर

हंस का जन्म 4 नवम्बर 1938 को महेन्द्रगढ़ (भीलवाड़ा) में पिताश्री स्व. श्री रामराय जी सोमानी एवं माताश्री स्व. अलोल बाई के यहाँ ग्रामीण माहौल में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गांव-ढाणी में ही हुई। पिताजी को अध्यापकों ने कहा कि इस बालक को आगे भी पढ़ाओ। कक्षा 7 चित्तौड़ से, कक्षा 8, 9 व 10 तक रायपुर (भीलवाड़ा) के छात्रावास में रह कर शिक्षा ग्रहण की। मेट्रिक प्राइवेट की पर क्लासें स्कूल में ही लगती थी। उनकी प्रथम कविता का जन्म एक कैम्प के दौरान हुआ। कैम्प पहाड़ी स्थान पर लगा था, जहाँ पहाड़, नदी, झरना सब कुछ था। गुरुजी ने वहाँ कुछ लिखने को कहा तो वहाँ पहली कविता ''गंगा जैसा निर्मल पानी भरा हुआ है इस सर में'', जब सुनाई तो सबको बहुत पसन्द आई। उन्हीं दिनों आयोजित एक प्रतियोगिता में कविता, गायन, वाद-विवाद व निबन्ध प्रतियोगिताओं सभी में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। श्री मोहन लाल सुखाडिया के हाथों पुरस्कार प्राप्त हुआ। तभी से गुरुजनों व साथियों ने उन्हें हँस कहना प्रारंभ कर दिया और यह उपनाम आज भी जुड़ा हुआ है। हंस यानी नीर-क्षीर विवेक।

ऐसे चली साहित्य यात्रा

सन् 1957 में कई प्राइवेट नौकरियों के बाद जीवन बीमा निगम में चयन हुआ। इसके साथ उन्होंने प्रातःकालीन कक्षायें जॉइन कर बी.ए. व एम.ए. किया। डिपार्टमेंट की परीक्षायें भी पास की। घर भी संभाला, साहित्य भी साथी बना रहा। जीवन में जवानी कब आई पता नहीं। वक्त से पहले मेच्योरिटी आ गई। पिताजी कल्याण मंगवाते थे, वे भी वह पढ़ते थे, तो भाषा की समझ पैदा हुई। उसके कारण साहित्य में भी गंभीरता आ गई। पत्नी स्व. विद्या सोमानी व पुत्र डॉ. (सी.ए.) श्याम सोमानी का बहुत सहयोग रहा। लिखना तो सन् 53 में ही चालू कर दिया था पर, पहली पुस्तक आने में काफी विलम्ब रहा। एक बार एक कवि-सम्मेलन में उनकी भेंट रामकल्याण लड्ढा (कोटा) से हो गई। उनको श्री सोमानी की कविताएँ बहुत पसन्द आई। वे काव्य प्रेमी भी थे- समाज सेवी तो थे ही, उद्योगपति भी हैं। उन्होंने प्रेरणा दी, पहली पुस्तक का सारा व्यय उठाया और 1968 में 'त्रिकोण' नाम से पहला कविता-संग्रह छपा। भाग्य से गौरी शंकर तोषनीवाल के सहयोग से सेठ गोविन्ददास जैसे प्रख्यात सांसद, हिन्दी सेवी व साहित्यकार से मिलना हो गया। उन्होंने भूमिका लिख दी और इस तरह पुस्तक प्रकाशन का मार्ग प्रशस्त हो गया जो उनकी 86 वर्ष की आयु में भी चालू है। समाज रत्न रामचंद्र बिहानी, सांसद श्रीकरण शारदा, कर विशेषज्ञ राम निवास लखोटिया, बालकृष्ण बलदुआ, चांदरतन मोहता आदि कई महानुभावों का आशीर्वाद मिला। बृजलाल बिहाणी, रामकृष्ण धूत्त, राम कृष्ण जाजू आदि की प्रारंभिक प्रेरणायें वरदान रहीं।

सहित्य सृजन ने दिलाया सम्मान

उनके लिखे सैंकड़ों भजन विभिन्न गायको द्वारा गाये जा रहे हैं। उनमें से प्रमुख हैं- राजस्थान की आशा भोंसले वीणा मोदानी (जयपुर), श्रद्धा गट्टाणी (उदयपुर), सविता शारदा (निम्बाहेडा), स्व.विद्या सोमानी, सीमा समदानी, दीपाली गट्टाणी, वन्दना नोबाल (जयपुर) कविता सोढाणी (मुंबई) आदि अन्य कई गायकों ने सीडी, वीडीओ आदि बनाकर प्रचारित किया है। तेजश्री परवाल ने भी उनके लिखे गीत गाये हैं। अनेक सामाजिक, साहित्यिक संस्थाओं ने सार्वजनिक सम्मान किया है। जीवन बीमा निगम में सेवाकाल के दौरान अभिनन्दन किया गया। रावत सारस्वत केन्द्रीय साहित्य अकादमी में थे, तभी कहानी-संग्रह छपा था उसमें उनकी कहानी शामिल की गई। ''हंस'' अभी तक गणेशी लाल व्यास 'उस्ताद' पद्य पुरस्कार 'राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (बीकानेर), 'अमृत सम्मान' राजस्थान साहित्य अकादमी (उदयपुर) 'लखोटिया पुरस्कार' रामनिवास आशारानी लखोटिया ट्रस्ट (नईदिल्ली), 'राष्ट्रीय राजस्थानी अनुवाद पुस्कार' साहित्य अकादेमी (नई दिल्ली), प्रेमचंद लेखक पुरस्कार दलित साहित्य अकादमी (महाराष्ट्र), महाकवि गुलाब खण्डेलवाल काव्य पुरस्कार' स्मृति संस्थान (चित्तोड़गढ़)। आदि पुरस्कारों से पुरस्कृत हो चुके हैं। इसके साथ ही आप अभी तक भारती रत्न, मरुश्री, महाकवि वृन्द, राजस्थान रत्न, बृज गौरव, रोशनी का रथ, कोरोना कलम योद्धा आदि अलंकरणों से अलंकृत हुए हैं। आपने एम.ए. तथा ए.एफ.आई.आई की उपाधि तो स्वयं ने शिक्षा से ग्रहण की, उनकी प्रतिभा ने उन्हें डी.आर. लिट्. की उपाधि से मानद रूप से अलंकृत भी करवाया।

हर रोग की रामबाण दवा

अरंडी का तेल

टीम SMT

गांव में अरंडी के पौधे आज भी हर कहीं उगे हुए देखे जा सकते है। गांव के लोग अरंडी को बहुत अच्छे से जानते है, जब भी कभी मोच आ जाती तो अरंडी के पत्ते सबसे पहले याद आते है। वैसे अब स्थिति बदली है, जरा सा कुछ होने पर भी डॉक्टर, मेडिकल पर टूट पड़ते है। हमने अपनी स्थिति भले ही बदल ली, लेकिन पौधे ने अपना गुण धर्म नही खोया है।आज शहरी जगत में हर कहीं Castor-oil की चर्चा आपको सुनने को मिल जाएगी, उसके गुणों का बखान भी मिला जाएगा, पर उसका सीधा इस्तेमाल कोई नही करता, और अधिकतर लोग पौधे को भी नही पहचानते। अरंडी के तेल में पाए जाने वाले गुणों की वजह से यह स्वास्थ्य और सुंदरता दोनों में फायदा करता है।

अरंडी के तेल के फायदे

▸▸ काले धब्बे साफ़ करे

अरण्डी का आयल और नारियल के तेल की कुछ बुँदे ले और इसे चेहरे के काले धब्बों पर लगाएं इससे काले धब्बे मिट जाएंगे।

▸▸ गठिया रोग में

गठिया रोगी व्यक्ति की अरंडी के तेल से मालिश करने पर उसे दर्द में आराम होता है। यह मांसपेशियों के दर्द को कम करता है।

▸▸ कब्ज में फायदा

कब्ज के लिए कैस्टर ऑयल का उपयोग कैसे करें। इसके लिए आधा चम्मच तेल एक कप गर्म दूध में मिलाकर पियें।

▸▸ बालों के लिए

इस तेल को बालों की सुंदरता और बालों की समस्या के लिए प्रयोग किया जाता है। बालों में अरंडी का तेल लगाने से बाल चमकदार, लम्बे, घने होते है। इससे बालों का रूखापन और डैंड्रफ भी खत्म हो जाती है।

▸▸ पेट की चर्बी कम करे

हरे अरंड की 20-50 ग्राम जड़ लें इसे धोकर कूट लें। अब 200 मिली पानी में पका लें। 50 मिली रह जाने पर इसका सेवन करें इससे पेट कम होगा।

▸▸ पाइल्स से छुटकारा

20 से 30 मिली अरंड के पत्ते का काढ़ा बनाकर 25 मिली एलोवेरा के रस में मिलाकर सुबह शाम पीने से पाइल्स में लाभ होगा।

▸▸ किडनी की सूजन कम करने में सहायक

किडनी की सूजन को कम करने में अरंड की मींगी को पिसे। इसे गर्म करके पेट के आधे भाग में लेप करें सूजन में आराम होगा।

▸▸ आँखों में

अरंडी के तेल की कुछ बुँदे लें और आँखों के आसपास हल्की मालिश करें इससे आँखों की सूजन में आराम होगा।

▸▸ झुर्रियां मिटाये

यह मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है जो समय से पहले आने वाले बुढ़ापे को रोकता है और झुर्रियों को खत्म करता है।

▸▸ साइटिका के दर्द को कम करे

यह साइटिका के दर्द को कम करने में मदद करता है।

▸▸ मासिक विकार में राहत

पीरियड्स में होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए अरंड के पत्ते गर्म करके पेट पर बाँधने से लाभ होता है।

▸▸ मस्से के लिए

एलोवेरा रस में अरंडी का तेल मिलाकर लगाने से मस्सों की जलन में राहत मिलती है।

▸▸ शरीर की मालिश

बॉडी मसाज के लिए इस तेल का उपयोग कर सकते हैं। इससे बॉडी पर चमक आती है।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

मतदान
अधिकार भी-कर्त्तव्य भी

जनता का, जनता के लिये, जनता द्वारा शासन प्रजातंत्र शासन इसी पद्धति के इस सिद्धांत पर आधारित है। जहाँ जनता के लिये जिस सरकार या शासन की जरूरत है वह जनता द्वारा आम चुनाव के रूप में स्पष्ट मत द्वारा निर्धारित किया जाता है और फिर उन निर्धारित व्यक्तियों द्वारा जनहित में चलाया जाता है। हर काल, हर देश में शासन को इसीलिये शासक की आवश्यकता होती है कि शासक मुख्य है, उसकी क्षमता, विद्वता, साहस, शौर्य पर शासन ही नहीं उस देश की उन्नति अवनति निर्भर करती है। इस महत्वपूर्ण पद के चयन का प्रारंभिक स्वरूप विश्व में राजतंत्र था। वांशिक योग्यता के चलते राजा का ज्येष्ठ पुत्र उसका उत्तराधिकारी बन जाता। सदियों ये सहज ग्राह्य व्यवस्था बनी रही। राजतंत्र फलता फूलता रहा। उन प्रतापी राजाओं के किस्से हम आज भी दोहराते हैं। व्यक्ति एक दिमागवान, बुद्धिमान प्राणी है। उसकी इस मतिमयता ने जहां उसे विकास के बुलंद मुकाम पर पहुंचाया, वहीं मानव सुलभ दोषों जैसे तृष्णा, अहं, आदि ने हर व्यवस्था को दोषयुक्त भी बना दिया।

राजतंत्र में पदलोलुपता ने कूटनीतिक चालें चलनी शुरू कर दी। अहं ने स्वयं को बहुत बढ़ा और प्रजा को बहुत छोटा और कमजोर समझना शुरू किया। स्वार्थ ने स्वयं के रखरखाव को ही सर्वस्व समझ लिया।

जुल्म की इंतिहा ने सामान्य को क्रांति करने पर मजबूर कर दिया। सोलहवी, सत्रहवीं सदी का इतिहास इसका गवाह है। राजतंत्र का विकल्प 'अधिनायकवाद' के रूप में सामने आया। सैन्य बल से सत्ता परिवर्तित हो गई। दुर्भाग्य बहुत जल्दी व्यक्ति पर अहं, तृष्णा, ताकत का दुरूपयोग हावी होने लगा। अधिनायक तानाशाह बन गये। जनता उनकी अधकचरी अभिमानी सनक, जिद, अहं का दुष्परिणाम भोगने के लिये अभिशप्त हो गई। दोनों विश्व युद्ध इसी के परिणाम के रूप में सामने आये। विकल्प रूप में शासन पद्धति का बहुत सुंदर समायोजक सामने अया। प्रजातंत्र, लोकतंत्र, जनतंत्र जनता का, जनता के लिये, जनता द्वारा शासन एक सर्वग्राही शासन व्यवस्था। जहाँ जनता को ही एक छोटी अवधि (4, 5, 6 वर्ष) के पश्चात अपना शासक पुनः चुनने का अधिकार व्यस्कता के आधार पर प्राप्त होता है। हम भारतवासी सौभाग्यशाली हैं कि हमें एक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था प्राप्त है। हमें अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है और उन प्रतिनिधियों के आधार पर सरकार बनती है, उसका मुखिया चुना जाता है और पांच वर्ष तक वह देश की व्यवस्था का उत्तरदायित्व सम्भाल लेता है। वह हमसे वायदे करता है कि वह अगले पांच वर्षों में हमारी, हमारे देश की सुख, सुविधा, प्रगति, आन, बान, शान, मान को बढ़ायेगा। ईश्वर को साक्षी मान वह पदग्रहण पूर्व अपने इन सारे उत्तर दायित्व की शपथ लेता है।

वह सरकार पांच वर्ष तक अपना कार्य करती है। हम भी जागरुक नागरिक बन अपना कार्य करते हैं। देखते समझते रहते हैं कि जिन कार्यों के लिये इस जनता ने, जनता को शासन की बागडोर संभलाई थी, वह शासक जनता उस दायित्व को किस प्रकार निभा रही है।

प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था हमें यह अवसर देती है कि यदि वो शासन जनप्रतिनिधि अपने वायदे पूरे कर रहे हैं, व्यवस्था को व्यवस्थित रख रहे हैं तो दूसरे चुनाव में अपनी जागरुक नजर, अपनी सोच समझ से निरंतर कार्यों का मूल्यांकन करें और इस आधार पर अपने बहुमुल्य मत' के हथियार का सदुपयोग करें। राजतंत्र, अधिनायक तंत्र की तरह भी हो सकता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी मानव सुलभ कमियाँ, व्यवहारिक परेशानियां आई हों। परंतु प्रजातंत्र की प्रजा राजशक्ति, सैन्य शक्ति राज की तरह निरीह, असहाय नहीं है। उसके पास उनसे बड़ी ताकत है, वह ताकत चुनाव के समय ही उन्हें मिलती है- उस ताकत का नाम है-मत। अन्य सामाजिक, धार्मिक, दान की तरह उसका राजनैतिक धर्म है - मतदान, उसका अधिकार है मतदान, उसका कर्तव्य है मतदान, उसका हथियार मतदान, उसका विश्वास मतदान। अपना कर्म, धर्म, मर्म निभाना ही है -राह जिंदगी की। इस ब्रह्मांड में इंसान का वजूद है ये पृथ्वी। जीवन ही नहीं, जीवन का संसाधन है, ये पृथ्वी, हर व्यक्ति का आसरा है, उसकी अपनी पृथ्वी। परिवार की जिम्मेदारी है, संतान को दें उर्वरक पृथ्वी, पृथ्वी जो सबसे बड़ी संपदा है। आस है, आभास है, सर्वस्व है पृथ्वी। धन्य हुए हम, हमें मिली पृथ्वी।

मकर मुद्रा दरअसल योग मुद्राओं का एक प्रकार है जिसका अभ्यास आपको मानसिक शांति देने का काम करता है। मकर मुद्रा का अभ्यास करने से मानसिक शांति तो मिलती ही है और स्किन को बेहतर बनाने में भी ये मुद्रा फायदेमंद मानी जाती है। मकर मुद्रा के अभ्यास से आपके शरीर की ऊर्जा केंद्रित होती है और नकारात्मक भावनाओं को दूर करने में भी फायदा मिलता है।

चेहरे को चमकाती है
मकर मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

आज के समय में तनाव लोगों की जिंदगी का अंग बन गया है। तनाव और चिंता जैसी मानसिक परेशानियों का खामियाजा हमारी स्किन को भी भुगतना पड़ता है। खानपान में गड़बड़ी, तनाव भरी जीवनशैली और पर्याप्त नींद न लेने के कारण आंखों के नीचे डार्क सर्कल की समस्या हो जाती है। डार्क सर्कल होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें खानपान में असंतुलन, जीवनशैली और धूप व प्रदूषण भी शामिल हो सकते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए लोग तमाम तरह के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं जिससे तुरंत फायदा तो मिल जाता है लेकिन यह समस्या हमेशा के लिए दूर नहीं होती है। चेहरे पर डार्क सर्कल और स्किन का बेजान हो जाना जैसी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप योग का सहारा ले सकते हैं। योग में कई ऐसी मुद्राएं हैं जिनके नियमित अभ्यास से इन समस्याओं को दूर करने में फायदा मिलता है। ऐसी ही एक योग मुद्रा है मकर मुद्रा। इसके नियमित अभ्यास से आंखों के नीचे काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स की समस्या से छुटकारा बना सकते हैं और चेहरे की खोई हुई चमक दोबारा पा सकते हैं।

कैसे करें : दाएं हाथ को बाएं हाथ के नीचे तिरछा करके रखें। नीचे वाले हाथ के अंगूठे को ऊपर वाले हाथ की छोटी व अनामिका उंगलियों के बीच से निकालकर ऊपर वाले हाथ की हथेली के बीच लगा दें और बाएं हाथ (ऊपर वाले हाथ) की पृथ्वी मुद्रा बना लें अर्थात् अंगूठे व अनामिका उंगली के अग्रभाग को मिला लें। इसी प्रकार बायें हाथ को भी नीचे रखकर यह मुद्रा बनायें।

अवधिः 5 से 10 मिनट के लिए, दिन में तीन बार दोनों हाथों से करें।

लाभः

- इस मुद्रा से कमजोरी दूर होती है।
- रक्त की कमी दूर होती है तथा ताकत, स्फूर्ति व उत्साह बढ़ता है।
- मकर को कहते हैं। मकर प्रायः सोया रहता है। परंतु जब वह जागता है तो उसमें गजब की शक्ति आ जाती है। इस मुद्रा का भी यही लाभ है। अवसाद, सुस्ती, असंतोष से निकलने के लिए इस मुद्रा का प्रयोग करें। तुरंत स्फूर्ति व उत्साह उत्पन्न होगा।
- आँखों के नीचे के काले घेरे दूर होते हैं। इस मुद्रा को लम्बे गहरे श्वासों के साथ करें तो और भी अधिक लाभ होगा।
- हथेली के मध्य में गुर्दे का केन्द्र होता है। जब नीचे वाले हाथ के अंगूठे से ऊपर वाली हथेली के गुर्दे के बिन्दु पर दबाव पड़ता है, तो गुर्दे स्वस्थ होते हैं। मूत्र रोग नहीं होतें तथा गुर्दों द्वारा शरीर की सारी गंदगी बाहर निकल जाती है।

अधिकांशतः देखा गया है कि संयुक्त परिवार के एकल होने की वजह आपसी मनमुटाव होता है पर कहीं कहीं तो बिना किसी पारिवारिक रंजिश के भी परिवार विभक्त हो जाते हैं। परिवार के सदस्य अलग नहीं रहना चाहते हैं पर माता-पिता भावी भविष्य की आशंकाओं से डरकर परिवार को अलग करने की पहल करते हैं। माता पिता नहीं चाहते कि कभी भी उनके बच्चे अलग रहें या उनसे दूर हों पर आए दिन अपने आसपास पारिवारिक कलह को देखने सुनने के बाद उनका हृदय विचलित हो जाता है इसलिए हंसते खेलते दिनों में ही वो परिवार का बंटवारा कर देना चाहते हैं कि भविष्य में पारिवारिक स्नेह बना रहे। माता पिता द्वारा ऐसे कदम उठाना कितना उचित है? माता पिता को अपने अनुभव, समझदारी और दूरदर्शिता से अपने परिवार की एकता को मजबूत कर भविष्य में आनेवाली संभावनाओं का समाधान निकालना चाहिए अथवा परिवार-विच्छेद को बढ़ावा देना चाहिए? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

भावी आशंकाओं के कारण संयुक्त परिवार का विभाजन करना उचित अथवा अनुचित ?

अपने अनुभव-दूरदर्शिता का करें उपयोग

आजकल बच्चे एकल परिवार के हिमायती होते जा रहे हैं। नवविवाहित अपने आसपास के एकल परिवारों की स्वछंदता की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और स्वयं भी संयुक्त परिवार के बंधन से मुक्त होना चाहते हैं। वह यह भूल जाते हैं कि जितना सुख वो एकल परिवार में देख रहे हैं, उससे अधिक सुख उन्हें संयुक्त परिवार में प्राप्त है। ऐसे अनुभवहीन बच्चों के माता-पिता का दूरदर्शी होना अतिआवश्यक है। अगर माता-पिता को अंदेशा हो कि भविष्य में उनके परिवार का बंटवारा हो सकता है, तो अपनी उसी दूरदृष्टि से अपने परिवार को संगठित रखने की दिशा में कदम उठाना चाहिए। माता-पिता और परिवार के बड़े बुजुर्ग बच्चों से हर विषय पर खुलकर बात करें। उनकी आपसी परेशानियों को आमने-सामने बैठकर सुलझाएं, परिवार के किसी भी मामले में बाहरी व्यक्ति को दखल करने की अनुमति न दें। परिवार में मतभेद की स्थिति पैदा न होने दें व परिवार में सभी बच्चों को समानाधिकार दिए जाएं। एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान किया जाएं, उम्र के हिसाब से सबके लिए नीति नियम हों तो हर सदस्य संयुक्त परिवार में ही रहना चाहेगा। परिवार में सदस्यों की मान-मनुहार-सम्मान को कमाई के तराजू में तोलकर न किया जाए तो आधी से अधिक पारिवारिक समस्याओं का हल स्वतः ही हो जायेगा। सबसे मुख्य बात परिवार की बागडोर किसी अनुभवी बुजुर्ग के हाथ में रहे तो परिवार की एकजुटता बनी रहेगी। इसके उपरांत भी अगर भविष्य में बच्चों में आपसी मनमुटाव हो जाए और परिवार का विघटन करने की नौबत आ भी जाए तो बुजुर्गों को अपनी समझदारी से परिवार में कुछ विशेष नियम बना लेने चाहिए कि तीज- त्यौहार, जीवन-मरण, श्राद्ध-बरसी आदि छोटे हों या बड़े, सुख हो या दुख, परिवार एक साथ एक छत के नीचे रहेगा। सिर्फ बड़े-बुजुर्ग ही अपनी सूझबूझ, समझदारी, अनुभव और दूरदर्शिता से एकल परिवार का मायाजाल बुनने से पहले ही काट सकते हैं।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

सभी को एक डोर में बांधने का प्रयास करें

संयुक्त परिवार रिश्तों का घरोंदा होता है, जहाँ एक साथ कई रिश्तों को जिया जा सकता है। परिवार में रहकर ही हमें रिश्तों की अहमियत समझ आती है, स्नेह, आदर, सम्मान, समर्पण, त्याग जैसी भावनाओं का समावेश हमारी जिंदगी में होता है। वर्तमान समय में कुछ परिवार स्वयं अलग हो रहे हैं तो कई बार माता-पिता परिवार को अलग कर देते हैं। मेरा मानना है कि परिवार में स्नेह, प्रसन्नता, सहयोग अगर आपस में है, तो विभाजन की सोचना गलत है। कल के डर से आज की खुशियों को क्यों दूर करें। घर के बुजुर्ग ही विभाजन की पहल करेंगे तो रिश्तों में अपनापन, सहनशीलता, आदर सम्मान की भावनाएं लुप्त होती नजर आऐंगी। भय या दूसरों की बातों में आकर ऐसे कदम की ओर अग्रसर ना हों। वैसे भी यह जरूरी नही है कि अलग रहने के बाद रिश्तों में तनाव ना हो। मन की कटुता को दूरी से कम नही किया जा सकता है। रिश्तों में स्नेह और समझ तो आपके आपसी विचारो के मेल का संगम है। समय के साथ जिम्मेदारी का विभाजन कर सकते हैं ताकि परिवार विभाजन से बचा जा सके। अगर परिवार में रोज झगड़े हो रहे हैं, रिश्ते अपनी मर्यादा खोने लगें, तो विभाजन उचित है। हंसते खेलते परिवार का विभाजन माता-पिता ना करें बल्कि अपने अनुभवों, संस्कारों और अनुशासन से परिवार को एक डोर में बांध कर रखें और समाज को भी यही संदेश दें, क्योंकि आज की पीढ़ी जो देखेगी उसी का अनुसरण करेगी।

❐ **ज्योति माहेश्वरी,** कोटा (राज.)

संगठन में ही शक्ति

संयुक्त परिवार एक संगठन ही है और संगठन में शक्ति होती है, सभी जानते हैं। मेरी राय में विभाजन उचित नहीं है इससे परिवार टूटते हैं, तो रिश्ते भी बिखरते हैं। माता-पिता और बच्चों में एक पीढ़ी का अंतर होता है, स्वाभाविक है कि विचारों में भी अंतर होगा। परिवार में आपसी कलह या मतभेद हो सकता है, मगर मनभेद नहीं होना चाहिए। माता पिता या बड़े बुजुर्गो को बच्चों के साथ बैठकर किसी भी तरह के मनमुटाव को सुलझाना ही उचित होगा। एक कविता की दो पंक्तियां याद आ गई, ''माँ घर की फर्श और दीवारें बाबूजी की है छत, लिख दो छः छः बहुएं पर, एक चुल्हा दरवाजे पर जन्नत लिख दो।''

❐ **भँवर लाल गट्टानी,** कलकत्ता

संयुक्त परिवार आज भी महत्वपूर्ण

परिवार में मिलजुल कर रहने की भावना की प्रधानता होती है। इसमें सभी लोग एक दूसरे का सहारा बनते हैं। लेकिन आधुनिक समय में ऐसे परिवार का चलन कम होता जा रहा है। भावी आशंकाओं के कारण संयुक्त परिवार का विभाजन करना उचित ही है। आज का समय बहुत ही महंगा एवं स्वावलंबिता का है। हर व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा होकर कुछ अच्छा करना चाहता है। ऐसे में यदि दो या दो से अधिक भाई रहते हैं एक ही छत के नीचे, तो माता-पिता उन्हें उनकी शादी के पश्चात कुछ ही समय में अच्छे से सेट करने के लिए एकल करने का निर्णय लेते हैं। संयुक्त परिवारों के बिखरने का मुख्य कारण है, रोजगार पाने की आकांक्षा, बढ़ती जनसंख्या तथा घटते रोजगार के कारण परिवार के सदस्यों को अपनी जीविका चलाने के लिए गांव से शहर की ओर या छोटे शहर से बड़े शहर की ओर जाना पड़ता है और इसी कड़ी में दूसरे शहर जाने की आवश्यकता पड़ जाती है। कागजों को एक साथ जोड़े रखने वाली पिन ही कागजों को चुभती है। उसी प्रकार परिवार को भी वही व्यक्ति चुभता है, जो परिवार को जोड़ कर रखता है। बहुत से लोगों का मानना है कि संयुक्त परिवार में हम अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते। परिवार में जो बड़े सीखते हैं या जो उनकी अनुमति होती है उसी को फॉलो करना पड़ता है। इसलिए उनकी राय को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती है। वह उनको बहुत ही खलता है। इसलिए भी आजकल एकल परिवार बढ़ते जा रहे हैं व संयुक्त की संख्या कम होती जा रही है। एक सटीक बात, जीवन में समय चाहे जो भी हो संयुक्त परिवार में रहने का हो या फिर अकेले ही क्यों न रहने का हो परिवार के साथ रहो सुख हो तो बढ़ जाता है और दुख हो तो बंट जाता है।

❐ **पूजा काकाणी** इंदौर, (मध्यप्रदेश)

वर्तमान दौर में यह उचित

आज के दौर में सबसे बड़ी तकलीफ यह है कि किसी को भी पैशन्स नहीं रहा। यानि सहनशक्ति किसी के पास भी रत्ती भर भी नहीं रही। हर इंसान अपने ईगो और अहम में इतना अंधा हो चला है कि अपना भविष्य या अपनी भलाई किस चीज में है यह सोचने की क्षमता ही गँवा चुका है। यही वज़ह है कि बड़े बुजुर्ग दुनिया के हाल देखते हुये यह नहीं चाहते, उनके परिवार में भी कल इतनी अनबन हो कि भाई-भाई का दुश्मन हो और देवरानी - जेठानी एक दूसरे का मुँह तक ना देखें। इन सब बातों को सामने रखते हुये बड़े अपने अनुभव और बुद्धि से संयुक्त परिवार को विभाजित करने का फैसला दिल पर पत्थर रखकर लेते हैं ताकि कल उनके पीछे भी भाई-भाई में प्रेम बना रहे। आज नहीं तो कल सभी को अलग तो रहना ही है फिर क्यों ना जब सम्बन्ध मधुर हों तभी बटवारा हो और सभी प्रेम से अपने-अपने कार्य करते रहें। घर का वातावरण और ज्यादा ख़राब होने से पहले ही माता-पिता अपने जीते जी राजीखुशी से सम्पत्ति और जमीन जायदाद का बंटवारा करते हैं तो यह अच्छी बात है। इससे बड़े बुजुर्ग शांति से रह सकते हैं और उनके अंतिम समय में भी उनकी कोई इच्छा अधूरी नहीं रहेंगी। यह तो पक्का ही है कि बंटवारा तो होना ही है, भले आज हो चाहे कल, दुनिया का कोई भी परिवार इससे बचा नहीं तो फिर इसमें दिक्कत क्या है?

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा** सुरेंद्रनगर (गुजरात)

संयुक्त परिवार सबसे बड़ी संस्था

भारतीय परिवारों में संयुक्त परिवार एक सबसे बड़ी संस्था है जहां बच्चे-बड़े साथ रहकर पारिवारिक स्नेह के साथ-साथ सामूहिक तप प्रेम और आदर्श संस्कार ग्रहण करते हुए वर्तमान के साथ-साथ भविष्य भी सुरक्षित रखने की चेष्टा करते हैं। परंतु वर्तमान समय में औद्योगीकरण के साथ-साथ आधुनिकीकरण ने एकल परिवारों की ओर सभी को अग्रसर कर दिया है। आज सभी की सोच हम दो हमारे दो तक ही सीमित हो गई है। आज लड़के और लड़कियां स्वयं यही चाहते हैं। एकल परिवार में बड़े हुए लड़के अथवा लड़कियां सभी स्वच्छंद एवं स्वतंत्रता के साथ-साथ मनमानी करने लगे हैं, उनमें त्याग की भावना, सहिष्णुता और परोपकार की भावना लुप्त सी हो गई है। सीधे शब्दों में यदि हम कहें तो स्वार्थ की भावना आज की पीढ़ी में बढ़ चुकी है। यही वजह है कि आज माता-पिता स्वयं यही चाहते हैं कि उनके रहते अगर दो लड़के हैं, तो दो मकान बनवा देते हैं ताकि भविष्य में आपस में लड़ाई झगड़ा ना हो और लड़की के लिए भी अगर लड़का देखते हैं, रिश्ता देखते हैं तब भी यही चाहते हैं कि लड़का अपने परिवार की ज्यादा जिम्मेदारी नहीं ले। इसी वजह से वह लड़कियों को यह शिक्षा नहीं देते कि तुझे परिवार में एडजस्ट होना है, जो कि बिल्कुल अनुचित है। किसी कारण विशेष से अगर कलह परिवार में हो रहा है तब तो एकल परिवार करना उचित है अन्यथा संयुक्त परिवार प्रथा को ही प्राथमिकता दें, यही उचित दृष्टिकोण है।

❐ **उर्मिला तापड़िया नोखा,** बीकानेर

समय के अनुसार बंटवारा उचित

दूर के ढोल सुहावने इस मुहावरे अनुसार संयुक्त परिवार सिर्फ दूर से ही अच्छे लग रहे हैं। आधुनिक युग में संयुक्त परिवार गिनती के ही बचे हैं। ऐसे परिवार का जो मुखिया होता है, उसे जुबान पर शक्कर और दिमाग पर बर्फ रखकर एकता बनाये रखने पड़ती है। आज के आधुनिक युग में पति-पत्नी की भी आपस में सालों साल निभ गयी तो शुक्रिया मानना चाहिये। संयक्त परिवार में एक दुजे से ही खींचा तानी बढ़ गई है और बच्चों में फालतू बातों की होड़ बढ़ने से झगड़े होते रहते हैं। आपस में मनमुटाव, किचकिच होने से अच्छा है कि शुरु में ही विभक्त होकर आपसी प्रेम सामंजस्य बनाये रखें। बहू नौकरीपेशा हो तो सास-ससुर के साथ ही बहुओं की निभ नहीं पाती, बुजुर्गों का ख्याल कौन रखेगा, इस पर विवाद हो रहे हैं? भाई-भाई कभी भी एक दूसरे से विभक्त होना नही चाहते पर अधिकांश जगह पर विवाह के बाद साथ-साथ रहना मुश्किल हो जाता है। आए दिन लड़ाई, बात के बतंगड़ के बजाय माता-पिता उनके भविष्य के डर से हंसी खुशी ही परिवार का बंटवारा कर देते है। कोई भी माता-पिता नहीं चाहते कि परिवार का बंटवारा हो, फिर भी पारिवारिक क्लेश का माहोल देखकर चूल्हा चौका अलग कर देते हैं ताकि भाईयों में स्नेह बना रहे। तीज त्यौहार तो फिर भी साथ रहकर मनाये। माता-पिता जीवन के अनुभव, समझदारी, समय की मांग के अनुसार जो उचित लगता है वही करते हैं। घर में बहुओं में, बच्चों में मनमटाव ना हो तो बंटवारा करना ही नही पड़ता। समस्या का समाधान मिल जाये, परिवार एक दुजे बगेर रह ही नहीं पाये तो ऐसा परिवार समाज में आदर्श परिवार माना जाता है।

❐ **छाया राठी,** यवतमाल

भावी आशंकाऐं इसका कारण

एक सर्वमान्य तथ्य सर्वकालिक रूप से सत्य है कि माँ बाप द्वारा बच्चों के लिए जो भी फैसला लिया जाता है, उसमें निश्चित रूप से यह फैसला कठोर या एकतरफा दिखने वाला है। मां बाप या पालकों द्वारा भावी आशंकाओं के चलते संगुट परिवार का विभाजन यदि किया जाता है तो यह मसला विशुद्ध रूप से उनकी नियत पर शक से परे है। वर्तमान समय व आधुनिक जीवन शैली के चलते परिवार में जब हर किसी को दूसरे की सलाह या कार्य अरूचिकर या सीमाओं का अतिक्रमण सी लगती है, तो माता पिता द्वारा ऐसे संयुक्त परिवार का विभाजन का निर्णय लेना पूर्णतः उचित है। बीते वर्षों में लगातार परिवारों में एक दूसरे को बर्दाश्त करने की क्षमता व एक दूसरे के विषयों को स्वीकार करने की सहनशक्ति में जबरदस्त कमी आई है। संयुक्त परिवार में अलग-अलग पारिवारिक आधारों, समाजों, आर्थिक स्थितियों, सामाजिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आई बहुओं के आपसी व्यवहार व परिवार के सदस्यों की विचारधाराओं का टकराव आदि कारणों से उपजी समस्याओं का एक मात्र हल उस समय संयुक्त परिवार का विभाजन ही लगता है। पालकों द्वारा समय पर लिया गया अनचाहा निर्णय परिवार के सदस्यों को भविष्य में घटित होने वाली कई गंभीर पारिवारिक, आर्थिक व सामाजिक समस्याओं से निजात दिलाने वाला कदम साबित होता है, जो पूर्णत उचित है।

❐ **सुरेन्द्र बजाज,** जयपुर

निरर्थक कारणों से परिवार विभाजन गलत

मेरे मत में निरर्थक कारणों से संयुक्त परिवार का विभाजन करना मूर्खतापूर्ण कार्य होगा। ऐसा करके हम मात्र परिवार का ही नहीं, वरन् पारिवारिक समरसता का भी विभाजन कर देते हैं। संयुक्त परिवार, जहां बुजुर्गों के मार्गदर्शन में परिवार के युवा सदस्य कार्य करते हैं और सबकी देखरेख में बच्चों का लालन-पालन होता है। वर्तमान में संयुक्त परिवारों की घटती संख्या हमारी सांस्कृतिक धरोहर पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। दादा-दादी, नाना-नानी, बुआ, चाचा, ताऊ जैसे रिश्तों पर तो संकट मंडरा ही रहा है, सिंगल चाइल्ड की परंपरा ने संयुक्त परिवार प्रथा का आधार ही खत्म कर दिया है। जहां तक बात भावी आशंकाओं की है, तो इन आशंकाओं को जन्म देने, इनका विस्तार करने व इनको मानने वाले आप और हम ही तो हैं। आज आवश्यकता है परिवार में आशंकाओं को दरकिनार कर हम संयुक्त परिवार में संभावनाओं की तलाश करें, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। संयुक्त परिवार न केवल एक कार्यशाला है, वरन् व्यावहारिक पाठशाला भी है, जहां व्यक्ति के सर्वांगीण गुणों का विकास होता है।

❐ **पल्लवी दरक न्याती** कोटा (राजस्थान)

मात्र आशंका के डर से विभाजन अनुचित

संयुक्त परिवार का महत्व हम सभी जानते हैं। जो बात संयुक्त परिवार में है वह एकल में नहीं फिर भी वर्तमान समय में भविष्य को लेकर आशंकित हो परिवार का विभाजन हो रहा है जो कि अनुचित है। वैसे आज के दौर में कैरियर को लेकर बच्चे बाहर निकल रहे हैं ऐसे में वे खुद ही अकेले पढ़ रहे हैं फिर विभाजन तो उन्हें और अकेला कर देता है। हमें अपनी परवरिश पर पूरा भरोसा रखकर भावी आशंकाओ को निर्मूल साबित करना चाहिए। अवकाश के दिनों में जब हम बाहर से घर आते हैं तो परिवार के साथ उल्लास, उमंग एवं सौहार्द का माहौल पाकर व्यक्ति का आत्म बल बढ़ता है। अपने बच्चों के भविष्य को लेकर इतना भी चिंतित नहीं होना चाहिए कि परिवार का विभाजन करना पड़े, उल्टे हमें ऐसी परिस्थितियों की अवहेलना करनी चाहिए। गलतफहमियों एवं मतभेद को सुलझाना चाहिए, विभाजन का निर्णय तो कदापि नहीं लेना चाहिए। विभाजन कोई सुख शांति का पैमाना नहीं है वास्तविक खुशियां तो व्यक्ति को अपने व्यवहार एवं कर्म से मिलती है। अतः आशंकाओ के कुचक्र मे फंसकर क्षणिक आवेश मे आकर संयुक्त परिवार का विभाजन करना अनुचित ही नही गलत भी है।

❐ **अयोध्या चौधरी,** अलीराजपुर (म.प्र.)

संयुक्त परिवार देवालय से कम नहीं

संयुक्त परिवार भावी पीढ़ी के भविष्य के लिए किसी देवालय से कम नहीं हैं। यह संस्कारों और सुरक्षा का ऐसा घरौंदा है, जिसकी बुनियाद को कोई आंधी तूफान हिला नहीं सकता। बड़े बुजुर्गो की देख-रेख में बच्चों के भटकाव की स्थिति काफी कम हो जाती है, उनकी पारखी नजर किसी भी गलत बात को बहुत जल्द समझ लेती हैं। सुख-दुख जीवन का हिस्सा है संयुक्त परिवार में दुःख बंट जाता है और सबके साथ से सुख बढ़ जाता है। सहनशीलता का अभाव होने से आजकल माता-पिता बच्चों को हंसी खुशी अलग करने का निर्णय ले रहे हैं किंतु पारिवारिक विघटन अनेक समस्याओं को उत्पन्न करता है। परिवार में क्लेश उत्पन्न होने के दो मुख्य पहलू है, भौतिक संपदा और घरेलू कामकाज। बड़े बुजुर्ग अपने अनुभव और सुझबुझ से पारिवारिक सदस्यों के बीच समान रूप से दायित्व निर्वहन का जिम्मा सौंपते हैं और पारिवारिक सदस्य भी अपना दायित्व समझते हैं तो किसी भी एक सदस्य पर बोझ नहीं आएगा। घर के सदस्य अपनी जिम्मेदारी समझने लगेंगे तो कलह की स्थिति निर्मित ही नहीं होगी। आय व्यय के ब्यौरे में पारदर्शिता होना भी जरूरी है। परिवारों की परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयास करें और परिवारों को विघटित होने से रोकें।

❐ **राजश्री राठी** अकोला, (महाराष्ट्र)

परिस्थिति अनुसार लें निर्णय

बच्चे जब घर में जन्म लेते हैं, बढ़ते हैं तो सभी का समान रूप से पालन पोषण करना मां बाप का कर्तव्य होता है। बच्चे जैसे बड़े होते हैं, हम उनमें भेदभाव करना शुरू करते हैं; जैसे कि होशियार बच्चे को ज्यादा लाड-प्यार और सुविधाएं; बेटी को बेटे से कम सहूलियत वगैरा वगैरा। यही कारण होता है बड़े होने पर उनमें झगड़ा होने व मनमुटाव होने का। आजकल तो शादी के बाद जल्दी ही बेटा-बहू अलग हो जाते हैं; या नौकरी की वजह से दूसरे शहर जाकर बस जाते हैं। कभी कभार सास-ननद के तकलीफदेह व्यवहार से भी वह अलग घर बसा लेते हैं। ऐसे में थोड़े से ही परिवार संयुक्त रह सकते हैं। जो रहते हैं वह आपसी तालमेल जमा कर खुशी से रहते हैं। हर परिवार में कुछ ना कुछ तो ऊंच नीच होते ही रहती है। माता-पिता अगर जज की तरह ना कि किसी का वकील बनकर, व्यवहार करें, तो साथ में रहने की इच्छा, एक दूसरे की कमी को जानकर समझदारी से बर्ताव करना, इन बातों की वजह से ही वे साथ रह पाते हैं। माता-पिता को वसीयत जरूर करना चाहिए। पर वह अगर खुद साथ में रहना चाहते हैं, रह रहे हैं, तो संकट के डर से उन्हें अलग नहीं करना चाहिए। अलग होना तो इस जमाने में स्वाभाविक प्रक्रिया है; पर सबके साथ रहने का आनंद और ही है और यह आनंद लेते रहें। उन्हें खुद होकर हम अलग ना करें।

❐ **डॉ. कमल अशोक काबरा,** मलकापुर जिला बुलढाणा

जब परिवार में हमारे बच्चे के भविष्य अर्थात् उसकी उच्च शिक्षा की दिशा तय करने का अवसर आता है, तो भारी असमंजस्य की स्थिति बन जाती है। समझ नहीं आता कि उसके लिये क्या अच्छा है और क्या नहीं? ऐसे में ज्योतिष ही सटिक मार्गदर्शन कर सकता है।

बच्चे के लिए ज्योतिष से करें विषय चयन

आजकल के विकासशील और आधुनिक युग ने मनुष्य की मानसिक क्षमता को विकसित तो किया ही है, साथ में उसको दूरदर्शिता भी प्रदान की है। बच्चे के जन्म के समय से ही आजकल के माँ-बाप का बच्चे के भविष्य को लेकर सोच-विचार शुरू हो जाता है। बच्चे की मानसिक क्षमता कैसी होगी, किस प्रकार की विद्या वह ग्रहण करेगा किस प्रकार की नौकरी या व्यवसाय वह अपनाएगा, क्या वह अपनी रोजी रोटी अपने बल पर पाएगा? आदि इस तरह के प्रश्न मन को घेरे रखते हैं। हर बच्चा अपनी मानसिक क्षमता के अनुसार ही विद्या ग्रहण करता है। माता-पिता को बच्चों की विद्या प्राप्ति के दौरान अनेक कठिनाइयां आती हैं। कई बार बच्चा मेहनत करने के उपरांत भी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण नहीं हो पाता। यह सब परेशानी विद्या अर्थात शिक्षा की गलत दिशा चुन लेने से ही उत्पन्न होती हैं।

कैसे करें सही विषय का विचार

जन्मकुंडली के चतुर्थ भाव से विद्या का विचार किया जाता है। पंचम भाव बुद्धि, मानसिक क्षमता को दर्शाता है। दशम से विद्याजनित यश का विचार होता है। द्वितीय भाव को प्राथमिक शिक्षा का घर माना गया है। जिन ग्रहों का विद्या प्राप्ति के भिन्न-भिन्न विषयों के लिए विचार किया जाता है, वे इस प्रकार हैं, बृहस्पति से वेद वेदान्त, व्याकरण व ज्योतिष विद्या का विचार किया जाता है। बुध से वैद्यक गणित, कानून नीति, सूर्य से वेदांत, मंगल से न्याय, गणित विद्या, शुक्र से गानविद्या, प्रभावशाली व्याख्यान शक्ति एवं साहित्य, चन्द्रमा से वैद्य, शनि से अंग्रेजी या विदेशी भाषा, राहू और शनि से अन्य देशीय विद्या का विचार होता है।

विशिष्ट सफलता दिलाते विद्या योग

- चन्द्र लग्न या लग्न स्थान से पंचम स्थान का स्वामी यदि बुध, शुक्र या बृहस्पति के साथ केन्द्र त्रिकोण या एकादश में बैठे हों तो मनुष्य विद्वान होता है।
- यदि किसी जन्म कुंडली में विद्याकारक बृहस्पति और बुद्धिकारक बुध दोनों एकत्रित हों तथा शुभ स्थानों में बैठे हों तो बालक बहुत बुद्धिमान होता है।
- पंचम स्थान के स्वामी और लग्नेश द्वारा स्थान-परिवर्तन का योग बालक को विद्या यशस्वी बनाता है।
- चतुर्थेश चतुर्थ स्थान में, लग्नेश लग्न में, जातक को विद्वान बनाता है।
- बुध स्वग्रही तथा उच्च लग्न से केन्द्र या त्रिकोण में हो, तो विद्या सम्पति की प्राप्ति होती है।
- यदि बुध, बृहस्पति और शुक्र नवम स्थान में हो तो जातक प्रसिद्ध विद्वान होता है।
- पंचमेश जिस स्थान में हो और उस स्थान के स्वामी पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो या दोनों और शुभ ग्रह बैठें हों, तो जातक तीक्ष्ण बुद्धि का स्वामी होता है।
- यदि पंचम स्थान शुभ ग्रहों से घिरा हो, बुध और बृहस्पति दोष रहित हो, नवांश में भी उनकी स्थिति लाभदायक हो तो जातक तीक्ष्ण बुद्धि वाला होता है।
- यदि पंचमेश छठें, आठवें या बारहवें भाव में हो तो विद्या प्राप्ति में कठिनाइयां आती हैं।
- यदि पंचमेश, बुध, बृहस्पति व शुक्र दुःस्थानगत हो, या अस्त हो तो जातक मंदबुद्धि को होता है।
- पंचम स्थान पर पाप ग्रहों की दृष्टि या पाप ग्रहों की उपस्थिति, बुध की छठें, आठवें, बारहवें स्थान की उपस्थिति स्मरणशक्ति को क्षीण करती है तथा जातक विद्या प्राप्ति नहीं कर पाता।

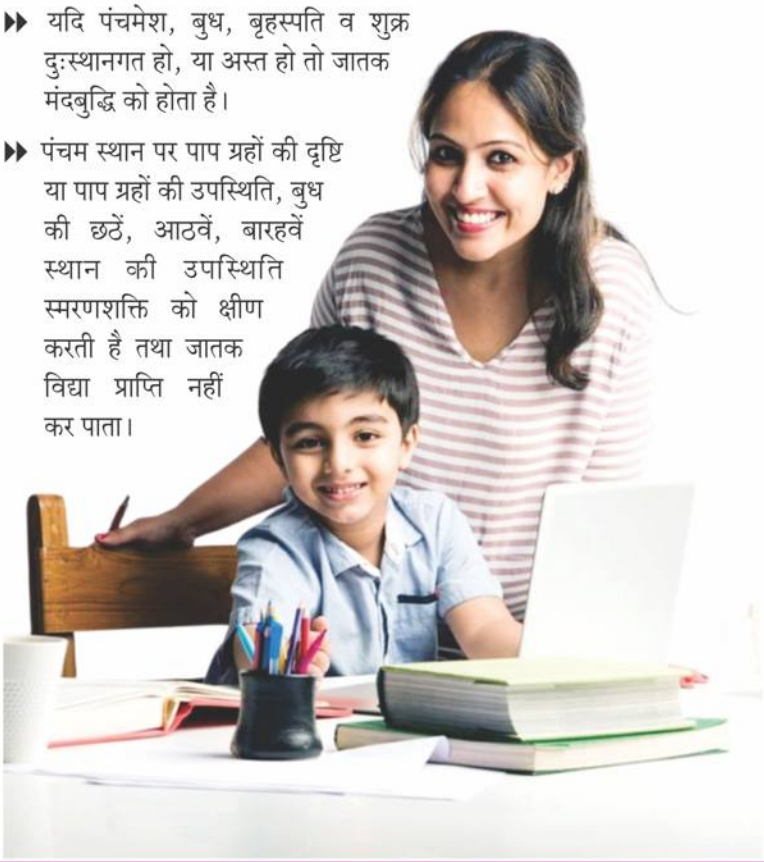

''प्रणाम'' वास्तव में एक अवस्था है, जो हमारी संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा रही है। इसका संबंध न सिर्फ तन से है बल्कि मन व अन्यों के मनोविज्ञान से भी है। यह वह क्रिया है जो हमें ऊर्जा से परिपूर्ण कर देती है। आईये देखें आखिर कैसे और क्या-क्या छुपा है, प्रणाम में।

ऊर्जा संचरण का प्रबल माध्यम

प्रणाम

वंदना जैथलिया, उज्जैन

प्रणाम भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रात्मा की आवाज है, यही हमारी संस्कृति का मूल शिष्टाचार है। इसी से हम सभी भावनात्मक रूप में संगठित हो सकेंगे। प्रणाम के बल से ही महाराज युधिष्ठर ने महाभारत के महासंग्राम में पितामह भीष्म व गुरु द्रोणाचार्य से विजयश्री का आशीर्वाद प्राप्त कर विजय प्राप्त की। प्रसन्न मुद्रा एवं स्फूर्ति के साथ हर दिन का शुभारम्भ प्रणाम से हो तो चमत्कार होगा। प्रणाम मानव जीवन का सर्वश्रेष्ठ आचार है। जब हम आपस में एक दूसरे को प्रणाम करते हैं, वह पल हमारे लिए एक स्वर्णिम पल है। उस समय हमें नई बहार के साथ दिल की गहराई को छू लेने का अहसास होता है। एक चुम्बकीय चेतना, तत्क्षण नवोदित दिल के भाव को छू लेती है।

विशुद्ध मनोवैज्ञानिक हैं प्रणाम

प्रणाम का सीधा सम्बंध प्रणत से है, जिसका अर्थ होता है विनीत होना, नम्र होना और किसी के सामने शीश झुकाना। चूंकि व्यक्ति की कामनाएं अनन्त होती हैं, इसलिए यह उस व्यक्ति पर निर्भर करता है कि अपने से बड़ों के पास कैसी कामना लेकर गया है। प्रणत व्यक्ति अपने दोनों हाथ जोड़कर और अपनी छाती से लगाकर बड़ों को प्रणाम करता है। प्रणाम भारतीय मानस का चमत्कारिक अविष्कार है। इसमें सहज व आश्चर्य जनक तरीके से विश्व व्यापक चेतना को अपने आप में जोड़ने, समष्टिगत की धारा बहाने तथा ''वासुदेव कुटुम्बकम'' की मंगलमय सर्वोच्च भावना को चरितार्थ करने की अद्भुत व मौलिक क्षमता है।

अहंकार से सहज मुक्ति

चार मिले चौसठ खिले, बीस खड़े कर जोड़।
सज्जन से सज्जन मिले, विंहसे सप्त करोड़॥

अर्थात प्रणाम करने वाले दो सज्जनों की दो-दो आंखें चार हुई, दोनों के 32+32 दाँत चौसठ हुए, दोनों के हाथ की अंगुलियां 20 हुई। अर्थात इन सब अंग उपांगों के मधुर व भव्य मिलन से मन, प्राण, शरीर पुलकित हो उठते हैं। सात करोड़ रोम के रोमांच से आत्मा, कृत्य-कृत्य हो जाती है। हृदय सागर में आनंद की लहरें उमड़ती हैं। निस्थाप भाव का उदय होता है तथा अभिमान व अहंकार का नाश होता है। यही आत्मभाव स्थित हृदय के भाव तरंग का चमत्कारिक आकर्षण तथा ''प्रणाम'' शब्द का चमत्कार है।

विशुद्ध वैज्ञानिक क्रिया भी है ''प्रणाम''

माता-पिता या गुरुदेव जब खड़े हो, पांव जमीन पर हो तो इस समय यदि हम उनके श्री चरणों में प्रणाम करते हैं तो हमारे मस्तक का सम्बंध उनके चरणों में तथा चरण का सम्बंध धरती से होने पर वहां जबरदस्त अर्थिग अर्थात दो शक्तियों का संघात होता है। अतः प्रणाम करते ही हमारे मस्तिष्क की शक्ति की सक्रियता बढ़ जाती है। आयु-विद्या, यश और बल में बढ़ोत्तरी होती है। मस्तक से चरणों का स्पर्श में जो दण्डवत प्रणाम करता है वह अधिक ऊर्जा प्राप्त करता है। दोनों हाथ जोड़कर जो प्रणाम करता है वह भावुक विनम्र होता है। कभी भी एक हाथ ऊँचा कर प्रणाम नहीं करना चाहिए तथा प्रणाम के बदले प्रणाम ही करना चाहिये। संसार के सबसे ऊंचे एवरेस्ट शिखर की ऊँचाई 29028 फीट है, इस पर्वतराज हिमालय को प्रणाम करके मात्र एक सैकण्ड में 29028 फीट तक हमारी सद्भावना की तरंगे उठती हैं। इसी प्रकार ऊर्जा शक्ति प्राप्त करने के लिए एक बार सूर्यदेव को प्रणाम करने पर मात्र एक सैकण्ड में 9 करोड़ 30 लाख मील ऊँचाई तक हमारी सद्भावना की तरंगे उठती हैं, जबकि सूर्य से प्रकाश धरती पर 1 लाख 86 हजार मिल प्रति सेकण्ड की गति से पहुंचता है।

लघु कथा

हमारी मुट्ठी में क्या है....?

रामानंद काबरा, जोधपुर

पुष्कर के एक ऊंचाई वाले क्षेत्र में एक बाबा रहते है। लोग उनसे अपने मन के किसी सवाल, किसी उलझन, कोई भ्रांति, ओर कभी अपने भविष्य के लिए उनके पास जाते रहते है। अच्छी सी भीड़ हमेशा बनी रहती है। एक बार दो शरारती लड़कों ने सोचा, आज बाबा को झूठा साबित किया जाय और इसकी दुकानदारी खत्म की जाए। यद्यपि बाबा से उनकी कोई प्रतिस्पर्धा नही थी, फिर भी शैतानी फितरत के कारण उन्होंने एक चिड़िया को पकड़ कर अपनी मुट्ठी में कैद कर लिया और बाबा से पूछा, बाबा! यह बताओ, हमारे हाथ में जो चिड़िया है, वो जीवित है या मृत? बाबा ने बेहिचक कहा, बेटा, अभी में कहूंगा कि यह चिड़िया जीवित है, तुम मुट्ठी के भीतर इसका टेंटुआ दबा कर मार दोगे। और अगर में कहूंगा मृत, तो तुम अपनी मुठ्ठी खोल कर उड़ा दोगे। इसलिए मैं यह कहना चाहता हूँ, आप अपने हाथ में जीवन और मृत्यु की शक्ति थामे हुए हो।

खुश रहें - खुश रखें

किसी भी विधि से किसी भी देवी-देवता की पूजा करें, लेकिन ईमानदारी और समर्पण जरूरी है

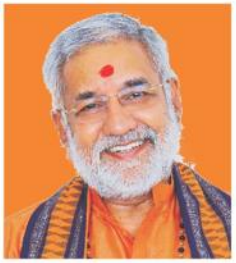

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - वेद प्रिय नाम के एक ब्राह्मण शिव जी के भक्त थे। उनके चार पुत्र थे- देव प्रिय, प्रिय मेधा, सुकृत और सुव्रत। पूरा परिवार शिव जी की भक्ति में लगा रहता था।

वेद प्रिय अपने परिवार के साथ शिवलिंग का निर्माण करते थे। उनकी पूजा और भक्ति भाव की वजह से जहां वे रहते थे, वह पूरी नगरी ही पवित्र हो गई। उस नगरी का नाम था अवंति, जिसे आज उज्जैन के नाम से जाना जाता है। उस समय अवंति में एक दूषण नाम का असुर था। उसे ब्रह्माजी का वरदान मिल गया था। दूषण उन लोगों को सताता था जो धर्म-कर्म, पूजा-पाठ करते थे। जब उसे मालूम हुआ कि वेद प्रिय और उसके चार बेटे शिव जी के भक्त हैं तो उसने अपने असुरों से कहा कि जाओ और उनके परिवार पर आक्रमण कर दो।

दूषण के असुरों की वजह से अवंति नगरी में हाहाकार मच गया। सभी इधर-उधर भाग रहे थे, लेकिन वेद प्रिय और उनके चारों पुत्र शांति से अपनी शिव भक्ति में खोए हुए थे। भागते हुए लोगों ने इन सभी से भी कहा कि आप भी यहां से चलिए, लेकिन वेद प्रिय ने कहा- 'हमारे पास पूजा की एक ताकत है, जिसे भरोसा कहते हैं। जिन शिव जी को हम पूज रहे हैं, वे हमारा भरोसा हैं। अगर उनकी इच्छा है और हमें मरना है तो कोई भी हमें बचा नहीं पाएगा। हम तो बैठे हैं आराम से। कम से कम जो भी काम करें, वह पूरी ईमानदारी से करें तो पूजा हम ईमानदारी से ही करेंगे।' दूषण के असुर वेद प्रिय और उनके बेटों के सामने पहुंच गए थे। पिता और चारों पुत्र शिवलिंग के सामने बैठकर पूजा कर रहे थे। उसी समय एक आवाज के साथ वहां एक गड्ढा हो गया। उस गड्ढे में से शिवजी प्रकट हो गए और उन्होंने दूषण के असुरों का वध कर दिया। शिव जी ने वेद प्रिय और उनके बेटों से कहा- 'आप लोग मुझसे कोई वरदान मांग सकते हैं। आप सभी पूरे समर्पण भाव से और ईमानदारी से पूजा कर रहे थे तो मैं आपको कुछ देना चाहता हूं।' वेद प्रिय ने शिवजी से कहा- 'आप यहां प्रकट हुए हैं तो आप यहीं स्थापित हो जाइए।' शिव जी ने कहा, 'ठीक है, अब से संसार मुझे महाकाल के नाम से जानेगा। अपने भक्तों की इच्छा पूरी करके मुझे प्रसन्नता होगी।' इसके बाद शिव जी महाकाल के रूप में उज्जैन में स्थापित हो गए।

सीख - इस कहानी ने एक संदेश दिया है कि हमारी पूजा विधि कोई भी हो, हम किसी भी देवी-देवता की पूजा करें, लेकिन हमें पूजा पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ करनी चाहिए। अगर हम शरीर से पूजा करेंगे और हमारा मन इधर-उधर भटकता रहेगा तो ऐसी पूजा सफल नहीं हो पाती है। पूर्ण समर्पण के साथ की गई पूजा भगवान को बांध देती है और फिर वे हमारी रक्षा जरूर करते हैं।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/- डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/- डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/- डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

विविध सत्तू रेसीपी

चना, गेंहू के सत्तू पाउडर व सत्तू शरबत बनाने की पारंपरिक विधि गर्मियों में सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। सत्तू का गुणकारी शरबत। यंहा आपको दो तरह के सत्तू के शरबत बताए है। ये टेस्टी के साथ हेल्दी भी होते है।

आवश्यक सामग्री - चने (फुटाना)- 4 कप भुने हुए, जौ का दलिया- 2 कप, गेंहू का दलिया- 2 कप भूना हुआ, चीनी का पाउडर-1 कप, काला नमक- 1 टी स्पून, नींबू का रस 2 -3, नमक-1 टी स्पून, जीरा- 1 टी स्पून, हरी मिर्च- 1 बारीक कटी हुई (आप के स्वादानुसार) पुदीने की पत्तियां

विधि - चने का हेल्दी सत्तू बनाने के लिए सबसे पहले भुने हुए चने ले लीजिए और अगर चने छिलके वाले है तो चनो को फटक कर छिलको को अलग कर दीजिए। भुने हुए चनो का मिक्सर में डाल कर बारीक पीस लीजिए। चने के पाउडर को निकाल कर अच्छे से छान लीजिए।

सत्तू का हेल्दी नमकीन शरबत

सत्तू का नमकीन शरबत बनाने के लिए 1/2 कप चने का सत्तू ले लीजिए और उसमें थोड़ा सा पानी डाल कर चिकना घोल बना लीजिए अब इस घोल में 1/4 छोटा चम्मच सफेद नमक, 1/4 छोटी चम्मच काला नमक, 1/4 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 1 बारीक कटी हुई हरी मिर्च,1/2 नींबू का रस, 1.5 कप पानी और थोड़ी सी पूदीने की पत्तियां डाल कर मिक्स कर लीजिए। अब सत्तू को एक गिलास में पलट लीजिए और उपर से एक-दो पुदीने की पत्ती रख दीजिए। आप का लाजवाब नमकीन सत्तू शरबत तैयार हैं। *(अगर आपको यह मीठा चाहिए, तो आप नमक की जगह शक्कर डाल सकते हो)*

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

चुनाव लोकतंत्र रो यज्ञ है हुकुम

खम्मा घणी सा हुकुम आज बात कर रियाँ चुनावी माहौल री, जिने आपा 'राजनीतिक मेला' रे रूप में देख रियाँ हाँ..., यों एक एड़ों समय है जणें सगळा दलों रा रंग-बिरंगा चिह्न और तमाशा सामने आ जावें। अठे तक कि सड़कों पर भाषणों री गर्मागर्मी में दंगा तक हूँ जावे ।

हुकुम, चुनावी मेला में कोई भी दल रो खुद रो कोई वजूद नहीं है नियमों रो कोई आईडियों नहीं है बस दलों और उम्मीदवारों ने खुद ने प्रस्तुत करण वास्ते अजीबोगरीब वायरल भाषण और प्रोमोशनल ट्रिक्स रो संग्रह करें और प्रचार करें ।

चुनावी रिंग में, हुकुम हर उम्मीदवार रो एक अलग किरदार है, वे नाटकीय रूप सूं अपणे वादों ने पूरा करण रो यूँ प्रदर्शन करें ज्यों कि बॉलीवुड रा नायक अपणी प्रेमिका ने मनावण रे लिए करें। हर कोई जीतण वास्ते दिन-रात मेहनत करें। हर उम्मीदवार चुनावी अखाड़े पर अपणे विरोधी ने पछाड़ने रे लिए पूरी मेहनत और रंग-बिरंगे वादों रा उपयोग करें।

नेता आमतौर पर एक दिलचस्प रंगमंच री भूमिका निभावें, सगळा प्रतिस्पर्धी राजनीतिक 'नाटक' रे लिए तैयारी करें.. इण नाटक में सच्चाई कम प्रोपोगंडा ज्यादा हुवे। चुनावी मेला इता हाइपर स्टेज माथे चला जावें की वे खुद टेन्शनग्रस्त हूँ जावें .. हर कोई अपने आपने इतो प्रभावशाली समझें कि खुद ने ही जीतण वालों समझ लेवें। याने देखण वाळो वोटर भी अचरज में पड़ जावे। दो झूठा दलों रे बीच वो डापाचूक हूँ जावै। उने अठी खाई उठै खन्दक दिखे। फेर भी एक दिन रो दूल्हों बण वोट रो तोरण मार काम पूरो करो। थोड़ा दिन पछै वो खुद समझ जा वो वठै री वठै है पर तब तक तीर हाथ सुं निकल जावें।

हुकुम, जिका दल चुनाव ने उत्सव रूप में सेलिब्रेट करें आपा सबने या बात याद रखणी चहिजे चुनाव केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि या एक महत्वपूर्ण लोकतंत्रिक प्रक्रिया है।

सब जनता सूं निवेदन है मतदान रे अधिकार ने संभालण रे वास्ते जिम्मेदारीपूर्ण रूप सूं आपरी भूमिका निभावे, और नेताओं रे नाटक रे पीछे छिपी सच्चाई ने पहचाण री क्षमता राखे।

अंत में, सगळा ने या बात याद रखणी चहिजे कि आपा राजनीति में उन्हें ही पद पर आसीन करां जिका नेतृत्व, ईमानदारी, और सेवा रे रूप में जनता रे साथे पूरी तरह खड़ा हुवे। जनता रो भलो करें। सोच समझ ने वोट करजो हुकुम। वादों री मृगमरीचिका में मत लुभाईजो क्योंकि चुनाव कर्तव्य सुं भी ऊपर **लोकतंत्र रो पावन यज्ञ** है। इण यज्ञ में आहुति सोच समझ ने डालजो।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- कुछ फासले एहसासों के होते है दरमियां,
  सब साथ तो होते है पर साथ नही होते।
- दिल की बैचैनी को भीतर कहीं दबाया जाता है,
  बहते आंसू यूं ही बेआवाज नहीं होते।
- असलियत सबकी मुश्किलात में दिखती है,
  जब कई खासमखास तेरे आस पास नहीं होते।
- शिकवा नज़र का है, इसे नज़रों से समझ लो,
  मन के रागों के अल्फाजों में इज़हार नहीं होते।
- भरोसों की इमारतें हकीकत में दरकने लगती है,
  जब जिंदगी के मौसम खुशगवार नही होते।
- मौसम तो मौसम है, हौसलों से बदल ही जाते है,
  अब इन छोटी छोटी बातों के असरात नहीं होते।।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह महीना मध्यम फलदायक रहेगा। कोई विशेष लाभ हानि की संभावना नहीं बनेगी। आर्थिक दृष्टि से आपको सजग रहना पड़ेगा। स्वास्थ्य के मामले में छोटी-मोटी खटपट चलती रहेगी। दांपत्य जीवन मधुर एवं पारिवारिक संबंध अच्छे रहेंगे। कर्म क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके कार्यों को सराहा जाएगा। कार्य क्षेत्र में आपको वाणी पर संयम रखने की आवश्यकता रहेगी। व्यापार करने वाले जातकों के लिए महीने का उत्तरार्द्ध अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से रक्त से संबंधित रोग जैसे चर्म रोग, रक्त विकार इत्यादि आंखों में जलन संभावित है, उनके प्रति सजग रहे।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह महीना मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। दांपत्य जीवन एवं प्रेम संबंधों की दृष्टि से यह महीना अनुकूल रहेगा। नौकरी पेशा जातकों के लिए यह समय अनुकूल रहेगा। व्यापार करने वाले जातकों का व्यापार में विस्तार होगा एवं लाभ होगा। काम का दबाव अधिक रहेगा। महत्वाकांक्षा बड़ी हुई रहेगी। अधिकारियों से संबंध अच्छे बनाकर रखें। आप अपने कार्य एवं व्यापार को और अधिक विस्तार देने के लिए प्रयास करेंगे एवं सफलता भी मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह महीना आपके लिए उत्तम रहेगा। पारिवारिक विवादों से बचने का प्रयास करें एवं अपनी वाणी पर संयम रखें।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्य क्षेत्र में विशेष सजकता की मांग कर रहा है। व्यापारी वर्ग की पुरानी समस्याएं हल हो सकती हैं। प्रभावशाली लोगों के संपर्क से काम बनेंगे। विद्यार्थियों को मनोअनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है। जिन लोगों के विरासत संबंधी न्यायालय प्रकरण चल रहे हैं, उन्हें इस महीने में सफलता मिलने की संभावना है। इस महीने स्वास्थ्य प्रायः ठीक रहेगा। एसिडिटी की संभावना हो सकती है। दांपत्य एवं पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा। वाणी के कारण परिवार में कुछ समस्याएं खड़ी हो सकती है।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए आगामी महीना बहुत उत्तम फल लेकर आने वाला। कर्क राशि के जातक लंबे समय से जिस समय की प्रतीक्षा कर रहे थे वह समय आ चुका है। व्यापारी वर्ग को अपने व्यापार का विस्तार करने के योग बनेंगे। नौकरी पेशा जातकों के प्रमोशन एवं मनचाहे स्थान पर ट्रांसफर के योग बनेंगे। पारिवारिक जीवन मधुर रहेगा। प्रेम संबंध मधुर रहेंगे। कुल मिलाकर यह महीना आपके लिए बहुत अच्छा साबित होने वाला है फिर भी स्वास्थ्य के प्रति जरूरी कदम उठाना आवश्यक बना रहेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों को चाहिए कि जीवन की प्रथम आवश्यकताओं को पहले पूरा करें। अपने कार्य को सूचीबद्ध करें एवं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें। जीवन में अचानक से होने वाले उतार-चढ़ाव संभावित है। यात्रा योग बनेंगे एवं यात्रा से लाभ होगा। दांपत्य जीवन ठीक रहेगा। प्रेम संबंध मधुर रहेंगे। अपने जीवनसाथी को सहानुभूति पूर्वक सुनें एवं तुरंत प्रतिक्रिया करने से बचें। अपने कार्यक्षेत्र में अनावश्यक बोलने से बचें, वाहन से सावधानी बरतें।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह महीना विशेष सजगता रखने का है। विशेष तौर पर स्वास्थ पर, चाहे वह शारीरिक हों या मानसिक। वाणी पर नियंत्रण रखें। परिवार में वाद विवाद संभावित है। मन में अज्ञात भय बना रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। व्यापार व्यवसाय की दृष्टि से यह महीना मध्यम रहेगा। कोई विशेष लाभ या हानि नहीं है। विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्यक्षेत्र में परिवर्तन को इंगित करता है, जो जातक लंबे समय से ट्रांसफर इत्यादि के लिए परेशान हो रहे हैं, उन्हें इस महीने में सफलता मिल सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह महीना मध्यम रहेगा एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना मध्यम रहने की संभावना है। कृपया नियमित दिनचर्या का पालन करें स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। योग प्राणायाम इत्यादि करते रहें। छोटे भाई बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना प्रायः लाभप्रद रहेगा। जो जातक बहुत लंबे समय से सफलता का इंतजार कर रहे हैं उन्हें सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरी पैसा जातकों को पदोन्नति मिलने की संभावना रहेगी। व्यापारी जातकों का व्यापार व्यवसाय विस्तार होगा, यात्राएं होगी एवं यात्राओं से लाभ होगा। शीघ्र लाभ हानि प्रदान करने वाले कार्यों से लाभ मिलने की संभावना प्रबल रहेगी। संतान के कार्यों की चिंता रहेगी। शिक्षा में परिश्रम की तुलना में फल कम मिल पाएगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना पारिवारिक दृष्टि से कुछ उठापटक वाला रहेगा। व छोटी-मोटी बीमारियां परेशान कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह महीना मध्यम रहेगा। नौकरी पैशा जातकों को अपने कार्य क्षेत्र में विशेष कार्य करना पड़ेगा एवं अपनी साख को बचा के रखना पड़ेगा जबकि व्यवसाय के जगत में जातकों को नई चुनौतियों का सामना करना। आर्थिक दृष्टि से शुरुआती दो हफ़्ते अनुकूल रहेंगे। अंतिम दो हफ्ते में घर में शुभ मांगलिक कार्यों में धन व्यय होगा। पाचन संस्थान से संबंधित समस्याएं हो सकती है। अपने खान-पान पर संयम रखे।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना कई सौगातें लेकर आ रहा है। लंबे समय से पेंडिंग में चल रही मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती है, जिनका स्वास्थ्य खराब चल रहा है उन्हें स्वास्थ्य लाभ होगा जो आर्थिक तंगी से पीड़ित है उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं विद्यार्थी वर्ग को सुयश मिलेगा। व्यापारी वर्ग को अपने कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी और इच्छित लाभ होगा।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना उतार-चढ़ाव लिए हुए रहेगा। आपको चाहिए कि रुको देखो और आगे बढ़ो की रणनीति पर चलें। अपने कार्यक्षेत्र की परिस्थितियों पर पैनी नजर बनाकर रखें एवं तर्कसंगत निर्णय ले। इस महीने आपको बहुत ज्यादा प्रयत्न वाले कार्यों को शुरू कर देना चाहिए सफलता संभावित है। दांपत्य जीवन ठीक-ठाक रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह महीन संयमित रूप से बर्ताव करने का है चाहे वह परिवार हो या कार्य क्षेत्र दोनों ही जगह आपको प्रतिक्रिया करने से पहले सोच विचार कर लेना है। आय की अपेक्षा खर्च बढ़ा हुआ रहेगा, उचित प्लानिंग की आवश्यकता है। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दोनों की केयर अति आवश्यक है। जो भी कार्य करें सोच समझकर करें। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 May, 2024

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com